किफायती दरों में अपना विज्ञापन प्रकाशित करें और अपने व्यापार को और ऊँचाईयों पर ले जाएं।
संपर्क करें
7018631199

« आपकी आवाज़ »
हिमालयन अपडेट
www.himalayanupdate.com

Postal Regd. No.: HP/128/SML/2020-22
अपने क्षेत्र की समस्या के बारे में हमें लिखें
himalayanupdate@gmail.com
दूरभाष नं.
7018631199

वर्ष 5 | अंक 19 | पृष्ठ 8 | साप्ताहिक | शिमला | सोमवार 16–22 अगस्त 2021 | मूल्य 5/- | RNI No. HPHIN/2017/73579

हिमाचल के कर्मचारियों-पेंशनरों को महंगाई भत्ता सीएम जयराम ने कर दी बल्ले-बल्ले

मंडी, हिमालयन अपडेट

मंडी में स्वतंत्रता दिवस पर राज्य स्तरीय समारोह के दौरान सीएम जयराम ने कर्मचारियों और पेंशनरों को 6 प्रतिशत महंगाई भत्ते का ऐलान किया

सीएम जयराम ठाकुर ने हिमांचल के सरकारी कर्मचारियों और पेंशनरों के लिए 6 प्रतिशत महंगाई भत्ते का ऐलान किया है। मंडी में स्वतंत्रता दिवस पर राज्य स्तरीय समारोह के दौरान सीएम जयराम ने कर्मचारियों और पेंशनरों को 6 प्रतिशत महंगाई भत्ते का ऐलान किया। प्रदेश के चार लाख कर्मचारियों व पेंशनरों की पहली जुलाई 2021 से मंहगाई भत्ते की यह किश्त दी जाएगी। इसके लिए सरकार 450 करोड़ रूपए अतिरिक्त खर्च करेगी।

उन्होंने कहा कि जल्द ही कर्मचारियों की जेसीसी की बैठक बुलाई जाएगी और उसमें कर्मचारियों की सभी मांगों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। सबसे पहले सीएम जयराम ठाकुर ने इंदिरा मार्किट स्थित शहरी स्मारक पर जाकर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की और उपरांत इसके गांधी चौक पर स्थापित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यापर्ण करके उन्हें नमन किया। इसके बाद उन्होंने सेरी मंच पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया। बाद में परेड़ का निरीक्षण किया और सलामी ली।

अपने संबोधन में जयराम ठाकुर ने कहा कि इस वक्त विपरीत परिस्थितियों के कारण देश और प्रदेश में महंगाई बढ़ी है जिसपर नियंत्रण पाने का पूरा प्रयास किया जा रहा है।

उन्होंने सरकारी डिपुओं के माध्यम से मिलने वाले खाद्य तेलों पर दी जाने वाली सब्सिडी को बढ़ाने का भी ऐलान किया। उन्होंने कहा कि अगले चार महीनों तक बीपीएल परिवारों को डिपुओं पर मिलने वाला तेल 30 रूपए जबकि एपीएल परिवारों को 10 रूपए सस्ता दिया जाएगा। पहले बीपीएल को 10 और एपीएल को 5 रूपए की छूट थी।

जयराम ठाकुर ने कहा कि राज्य सरकार ने प्रदेश में नई पंचायतों और नगर निकायों का गठन किया है और उनके विकास के लिए सरकार पूरी तरह से ध्यान दे रही है। उन्होंने नवगठित नगर निगम मंडी के विकास के लिए 15 करोड़ की राशि देने की घोषणा की।

यह राशि किश्तों में दी जाएगी और इसके लिए नगर निगम मंडी को विकास कार्यों की प्रपोजल बनाकर सरकार को भेजनी होगी। इस दौरान प्रदेश भर से आए विभिन्न सांस्कृतिक दलों ने प्रदेश की संस्कृति को दर्शाते रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम भी पेश किए।

वहीं प्रदेश के विभिन्न विभागों की प्रदर्शनियों का भी प्रदर्शन किया गया। वहीं समारोह के अंत में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को सीएम ने सम्मानित भी किया।

4 विभूतियों को हिमाचल गौरव, सिविल सर्विस अवार्ड और प्रेरणा स्त्रोत अवार्ड से किया मुख्यमंत्री ने किया सम्मानित

कारगिल युद्ध में अदम्य साहस का परिचय देकर दुश्मन को मुहंतोड़ जबाव देने वाले बिलासपुर जिला के जाबांज परमवीर चक्र विजेता सूबेदार संजय कुमार, सेना मेडल से सम्मानित किए गए। इसके अलावा देश विदेश की कई चोटियों को फतेह करने वाले सूबेदार मेजर बलबंत सिंह, हिमाचल प्रदेश की धरोहरों को कला के माध्यम से लघु रूप में सहेजने वाले हमीरपुर जिला निवासी करतार सिंह सौंखले और सतलुज नदी में 80 मीटर तक तैराकी करके एक डूब रहे शख्स को बचाकर सुरक्षित किनारे पर लाने और सीपीआर विधि से उसकी रूकी हुई धड़कन को फिर से सुचारू करने वाले मंडी जिला के तत्तापानी निवासी 16 वर्षीय राहुल रैना को हिमाचल गौरव पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

सिविल सर्विस अवार्ड – इसी तरह से कोरोना काल में उत्कृष्ट सेवाएं देने के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन व सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग हिमाचल प्रदेश को संयुक्त रूप से, एनआरएलएम के तहत प्रदेश भर में 23 हजार से अधिक स्वयं सहायता समूह बनाने, कोरोना काल में हिम ईरा स्वयं सहायता समूह की दुकान और साप्ताहिक बाजार परियोजना प्रारंभ करने के लिए हिमाचल प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन को, खंड विकास अधिकारी गोहर के पद पर रहते हुए मनरेगा की नई मिसाल पेश करके मनरेगा पार्क और मनरेगा का विश्राम गृह सहित कई बड़े कार्य करने वाले अधिकारी निशांत शर्मा को सिविल सर्विस अवार्ड से नवाजा गया है।

शेष पृष्ठ 2 पर...

नई शिक्षा नीति देश की जरूरतें पूरी करने वाली: मोदी

नई दिल्ली, हिमालयन अपडेट

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति देश की 21वीं सदी की जरूरतों को पूरा करने वाली है। मोदी ने 75वें स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले की प्राचीर से अपने संबोधन में कहा, " राष्ट्रीय नई शिक्षा नीति से अब हमारे बच्चे ना ही कौशल के कारण रुकेंगे और ना ही भाषा के सीमा में बंधेंगे। दुभार्ग्य है कि हमारे देश मे भाषा को लेकर एक विभाजन पैदा हो गया है। भाषा की वजह से हमने देश के बहुत बड़ी प्रतिभाओं को पिंजड़े में बांध दिया दिया है। मातृभाषा में पढ़े हुए लोग आगे आएंगे तो उनका आत्मविश्वास बढ़ेगा।'

उन्होंने कहा कि जब गरीब की बेटी और बेटा मातृभाषा में पढ़कर आगे बढ़ेंगे तो उनके सामर्थ्य के साथ न्याय होगा। नई शिक्षा नीति में गरीबी के खिलाफ लड़ाई का साधन भाषा है। नई शिक्षा नीति गरीबी के खिलाफ लड़ाई का शस्त्र के रूप में काम आने वाली है। गरीबी के खिलाफ जंग जीतने का माध्यम भी मातृभाषा है।

उन्होंने कहा कि खेल के मैदान में भाषा बाधा नहीं है जिसका परिणाम देखा है, अब युवा खेल भी रहे हैं और खिल भी रहे। अब ऐसा ही जीवन के अन्य मैदानों में होगा।

अब लड़कियों के लिए भी सैनिक स्कूलों के दरवाजे खुले होंगे : प्रधानमंत्री मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को घोषणा की कि देश के सभी सैनिक स्कूलों के दरवाजे अब लड़कियों के लिए भी खोले जाएंगे। देश में इस समय 33 सैनिक स्कूलों का संचालन किया जा रहा हैं। प्रधानमंत्री ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर रविवार को अपने भाषण में कहा कि ढाई साल पहले मिजोरम में सैनिक स्कूलों में लड़कियों के दाखिले का पहला प्रयोग किया गया था। उन्होंने कहा, ''सरकार ने अब फैसला किया है कि देश के सभी सैनिक स्कूल देश की बेटियों के लिए भी खोले जाएंगे।

अफगानिस्तान संकट: संयुक्त राष्ट्र में भारत ने जताई चिंता, तुरंत हिंसा रोकने की अपील

अफगानिस्तान, हिमालयन अपडेट

अफगानिस्तान में तालिबान के कब्जे के बाद अफगान नागरिकों में काफी अफरा–तफरी का माहौल है। इसे लेकर भारत ने चिंता जताई है। सोमवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक में भारत ने दुनिया से अपील की है कि अफगानिस्तान में तुरंत हिंसा को रोका जाए। यूएन में भारतीय राजदूत टीएस तिरुमूर्ति ने बच्चों और महिलाओं की चिंता करते हुए कहा कि उनके दिल में काफी डर है। पड़ोसी देश इससे चिंतित हैं कि अब अफगानिस्तान धरती का उपयोग आतंकवाद के लिए ना होने दिया जाए। तिरुमूर्ति ने कहा कि यदि आतंकवाद के सभी स्वरूपों के लिए जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जाए और यह

शेष पृष्ठ 2 पर...

सीएम जयराम के हेलीकॉप्टर को यकायक उतारना पड़ा

शिमला, हिमालयन अपडेट

सीएम जयराम ठाकुर के हेलीकॉप्टर की फिर से आपात लैंडिंग करवानी पड़ी। सीएम मंडी के कांगनी हेलीपैड से शिमला जा रहे थे। इसी दौरान मौसम खराब हो गया। जिसके चलते हेलीकॉप्टर की बल्ह हलके के ढांगू में आपात लैंडिंग करवानी पड़ी। याद रहे कि सीएम जयराम ठाकुर आज मंडी में स्वतंत्रता दिवस समारोह में बतौर मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत करने के बाद ही शिमला लौट रहे थे।

आपात लैंडिंग की सूचना मिलते ही पुलिस व प्रशासन सहित सीएम सिक्योरिटी स्टाफ तुरंत हरकत में आ गया व मौके पर पहुंच गया। इसके बाद सीएम जयराम ठाकुर सड़क मार्ग से पूरी सुरक्षा के साथ शिमला के लिए रवाना हो गए हैं। इससे पहले 8 अगस्त को मंडी दौरे से शिमला लौटते वक्त खराब मौसम के चलते सीएम जयराम ठाकुर के हेलीकॉप्टर की बिलासपुर के लुहणू मैदान में आपात लैंडिंग करानी पड़ी थी। इसके बाद वे डीसी की गाड़ी से शिमला रवाना हुए। बता दें कि सीएम दो दिन के मंडी दौरे पर थे। उन्होंने वहां कई प्रोजेक्टों का शिलान्यास किया था।

राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ अर्लेकर ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राजभवन में ऐट होम की मेजबानी की। हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय के कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश न्यायामूर्ति रवि मलिमठ, हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय के न्यायाधीश, विधायक, सेना प्रशिक्षण कमान (आरट्रेक) के जीओसी–इन–सी लै. जनरल राज शुक्ला, कुलपति प्रो. परविन्दर कौशल, स्वतत्रंता सेनानी, वरिष्ठ राज्य प्रशासनिक, पुलिस और सैन्य अधिकारी, शहर के प्रबुद्ध नागरिक और पूर्व सैनिक भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने जिला लाहौल–स्पीति में भूस्खलन की घटना पर चिन्ता व्यक्त की

लाहौल–स्पीति, हिमालयन अपडेट

मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर ने जिला लाहौल–स्पीति के नालड़ा गांव में भूस्खलन के कारण चन्द्रभागा नदी का प्रवाह अवरूद्ध होने की घटना पर चिन्ता व्यक्त की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भूस्खलन की घटना की सूचना प्राप्त होते ही स्थिति का जायजा लेने के लिए जनजातीय विकास मंत्री डॉ. रामलाल मारकण्डा के नेतृत्व में एक उच्च स्तरीय टीम घटना स्थल पर भेजी गई है।

शेष पृष्ठ 2 पर...

हिमाचल मे कर्मचारियों–पेंशनरों को छह फीसदी डीए, एपीएल–बीपीएल को सस्ता मिलेगा तेल

शिमलां, हिमालयन अपडेट

स्वतंत्रता दिवस के मौके पर मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने प्रदेश के चार लाख कर्मचारियों व पेंशनरों के लिए छह प्रतिशत महंगाई भत्ता देने का ऐलान किया। इस निर्णय से कर्मचारियों और पेंशनरों को 450 करोड़ रुपए का वित्तीय लाभ होगा। कोविड काल की वजह से महंगाई भत्ता की किस्तें पहली जनवरी, 2020 से लेकर जुलाई 2021 तक लंबित हैं। इसके अलावा मुख्यमंत्री ने गरीब परिवारों के लिए खाद्य तेल पर और अधिक अनुदान देने की घोषणा की। उन्होंने उचित मूल्यों की दुकानों से बीपीएल परिवारों के लिए खाद्य तेल पर आगामी चार महीनों के लिए अनुदान राशि 10 रुपए प्रति लीटर से बढ़ाकर 30 रुपए प्रति लीटर करने और एपीएल परिवारों के लिए पांच रुपए से 10 रुपए प्रति लीटर करने का ऐलान किया। इस निर्णय से राज्य के 18.71 लाख कार्डधारक लाभान्वित होंगे।

सरसों के तेल के दामों को देखते हुए लोगों काफी समय से सरकार से राहत देने की मांग कर रहे थे। इसके साथ नव गठित नगर निगम मंडी के विकास के लिए भी मुख्यमंत्री ने 15 करोड़ रुपए की ग्रांट देने का ऐलान किया। मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने कर्मचारियों की समस्या के

शेष पृष्ठ 2 पर...

घर बैठे अपनी प्रति मंगवाने / बुक करवाने के लिए सम्पर्क करें

शिमला
ग्राम शाहल, डाकघर भौंट,
तहसील व जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश
हि.प्र.- 171006

चौपाल
हिमालयन अपडेट केयर आफ गोगटा लोकमित्र केंद्र
मडावग, डाकघर मड़ावग, तहसील चौपाल,
जिला शिमला हिप्र-171211

रामपुर बुशहर डिजीटल सेवा सिटी पुलिस चौकी के पास, रामपुर बुशहर, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश-172001

हमीरपुर 118 प्रतापनगर, वार्ड नं 3, हमीरपुर, हिमाचल प्रदेश।

मंडी एनजीपी ई-स्मार्ट लाईफ, केनरा बैंक के पास, नया बस स्टैंड, तहसील सुन्दरनगर, जिला मण्डी.175002

एसजेवीएन के पृथक कर पूर्व लाभ में 15.86प्रतिशत की वृद्धि

शिमला, हिमालयन अपडेट

नंद लाल शर्मा , अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक , एसजेवीएन ने घोषणा की कि कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2021–22 की पहली तिमाही के लिए 445.07 करोड़ रूपए का पृथक कर पूर्व लाभ दर्ज किया है । आज शिमला में आयोजित कंपनी के निदेशक मंडल की बैठक के पश्चात अवगत कराते हुए उन्होंने कहा कि यह गत वित्तीय वर्ष की इसी तिमाही के दौरान 384.14 करोड़ रूपए की तुलना में पृथक कर पूर्व लाभ में लगभग 16 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। एसजेवीएन ने जून,2020 को समाप्त तिमाही में 301.08 करोड़ रूपए की तुलना में जून,2021 की तिमाही में 339.54 करोड़ रूपए पर पहुंच कर अपने पृथक शुद्ध लाभ में 12.77 प्रतिशत की वृद्धि भी दर्ज की है ।

शर्मा ने बताया कि एसजेवीएन की नेटवर्थ गत वर्ष की इसी अवधि में 12332.85 करोड़ की तुलना में वित्तीय वर्ष 2021–22 की पहलती तिमाही की समाप्ति पर बढ़कर 13100.97 करोड़ रूपए हो गई है, जो महामारी की स्थिति के कारण वर्तमान में वैश्विक उथल पुथल को ध्यान में रखते हुए एक उत्कृष्ट उपलब्धि है । तिमाही के दौरान , एसजेवीएन ने गत वर्ष की पहली तिमाही की तुलना में अपनी प्रति शेयर आय में 11.69प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की थी । इसी प्रकार , कंपनी ने गत वर्ष की पहली तिमाही की तुलना में बुक वैल्यू में 6.25 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। जून को समाप्त पहली तिमाही के दौरान उत्कृष्ट वित्तीय निष्पादन का प्रदर्शन करते हुए कंपनी ने 702.38 करोड़ की कुल आय दर्ज की है ।

नन्द लाल शर्मा ने यह भी साझा किया कि यह एक गर्व का क्षण है कि एसजेवीएन ने बिहार में 200 मेगावाट की ग्रिड कनेक्टिड सोलर पीवी विद्युत परियोजना को ई–रिवर्स नीलामी के दौरान बिल्ड, ओन एंड ऑपरेट (बीओओ) आधार पर रू.3.11 / यूनिट की दर से 200 मेगावाट परियोजना को खुली प्रतिस्पर्धी टैरिफ बोली प्रक्रिया के माध्यम से हासिल किया है ।

सार्वजनिक क्षेत्र के एसजेवीएन ने नवीकरणीय परियोजनाओं सहित अपनी सभी विद्युत उत्पादन ईकाईयों से जुलाई,2020 में 1563 मिलियन यूनिट के गत रिकार्ड को पार करते हुए जुलाई,2021 माह में 1580 मिलियन यूनिट विद्युत का उत्पादन का सर्वकालिक रिकार्ड भी बनाया है ।

वर्तमान में , एसजेवीएन के पास 9000 मेगावाट से अधिक का पोर्टफोलियो है और यह भारत , नेपाल और भूटान में जलविद्युत , ताप, सोलर और पवन क्षेत्र में 27 परियोजनाओं को निष्पादित कर रहा है जिसमें 06 प्रचालनाधीन हैं, 08 निर्माणाधीन हैं और 13 परियोजनाएं सर्वेक्षण एवं अन्वेषणाधीन हैं । कंपनी ने अपनी यात्रा की एक रूपरेखा तैयार की है जो इसके साझा विजन यथा 2023 तक 5000 मेगावाट, 2030 तक 12000 मेगावाट तथा 2040 तक 25000 मेगावाट में परिलक्षित होती है ।

प्रदेश में गत दो दिनों में किया 3.08 लाख लोगों का टीकाकरण

शिमला, हिमालयन अपडेट

स्वास्थ्य विभाग के प्रवक्ता ने कहा कि कोविड–19 महामारी से बचाव के दृष्टिगत राज्य के हर पात्र व्यक्ति का कोविड–19 टीकाकरण करने के उद्देश्य से शुरू किए गए विशेष टीकाकरण अभियान आजादी के रंग टीकाकरण के संग के अन्तर्गत गत दो दिनों के दौरान 3.08 लाख लोगों का टीकाकरण किया गया है।

उन्होंने कहा कि अभियान के अन्तर्गत बुधवार के दिन 1.3 लाख और वीरवार के दिन 1.78 लाख लोगों का टीकाकरण किया गया, जिसके लिए प्रदेश भर में स्वास्थ्य विभाग द्वारा लगभग 1259 टीकाकरण सत्र आयोजित किए गए।

प्रवक्ता ने कहा कि इस अभियान के अन्तर्गत जिला बिलासपुर में 123, चंबा में 79, कुल्लू में 73, ऊना में 95, मंडी में 207, कांगड़ा में 224, सोलन में 144, हमीरपुर में 75, शिमला में 117, सिरमौर में 98, किन्नौर में 07, लाहौल स्पीति में 07 और निजी अस्पतालों में भी टीकाकरण सत्र आयोजित किए गए।

उन्होंने कोविड महामारी से बचाव के दृष्टिगत सभी पात्र लोगों से कोविड–19 टीकाकरण करवाने का आग्रह करते हुए कहा कि यह अभियान 9 से 15 अगस्त, 2021 तक चलाया जा रहा है। इस अभियान के अन्तर्गत 18 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के सभी पात्र व्यक्ति किसी भी टीकाकरण केंद्र पर जा कर अपना टीकाकरण करवा सकते है, जिसके लिए स्लॉट बुकिंग की भी कोई आवश्यकता नहीं हैं।

उन्होंने कहा कि कोविड–19 महामारी की संभावित तीसरी लहर से बचाव के दृष्टिगत कोविड अनुरूप व्यवहार और राज्य सरकार द्वारा समय–समय पर जारी दिशा–निर्देशों का कड़ाई से पालन करना सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

जयराम प्रदेश सरकार का आपदा प्रबंधन विभाग पूरी तरह फेल: कुलदीप राठौर

शिमला, हिमालयन अपडेट

कांग्रेस अध्यक्ष कुलदीप सिंह राठौर ने प्रदेश में आपदा प्रबंधन को पूरी तरह असफल बताते हुए कहा है कि सरकार और आपदा प्रबंधन के बीच कोई भी तालमेल नही है.भारी बारिश के चलते, बादल फटने व बाढ़ से निपटने के कोई भी पुख्ता इंतजाम न तो सरकार के पास ही है और न ही आपदा प्रबंधन के पास कोई उपाय. प्रदेश में आपदा प्रबंधन सफेद हाथी साबित हो रहा है,जिसपर सरकार हर वर्ष करोड़ों रुपये खर्च करती है.किन्नौर जिला के निगुलसेरी के पहाड़ दरकने से हुए जानमाल के नुकसान पर गहरा दुख प्रकट करते हुए कुलदीप राठौर ने कहा कि आये दिनों भारी बारिश के चलते पहाड़ दरक कर सड़कों में गिर रहें है. पिछले दिनों सिरमौर में भी ऐसी ही पहाड़ी दरकी पर गनीमत रही कि वहां जानमाल को कोई नुकसान नही हुआ पर किन्नौर के नयुगलसेरी में हुए इस हादसे में अभी तक 14 लोगों की मृत्यों बहुत ही दुखदर्द है।उन्होंने इस हादसे में मारे गए लोगों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मओं की शांति की प्रार्थना भगवान से की है.उन्होंने कहा कि लोकनिर्माण विभाग समय समय पर सड़कों के आसपास, विशेष तौर पर जहां पहाड़ो से मलवा नीचे आ रहा होता है या सड़क धस रही होती है वहां उसे मार्क कर खतरे के प्रति आगह किया जाता है, पर अब ऐसा नही किया जा रहा है. उन्होंने इस दुर्घटना के लिये पूरी तरह लोकनिर्माण विभाग की कार्यप्रणाली को दोषी ठहराया है. राठौर ने कहा कि नयुगलसेरी में यह दुर्घटना दोपहर 12.30 बजे होती है पर जिला प्रशासन का आपदा बल की मशीनरी घटनास्थल पर 5 बजे के बाद पंहुचती है,जबकि आईटीवीपी और एनडीआरएफ के जवांज जवानों ने राहत कार्यो को पूरी ततपरता से किया.राठौड़ ने सरकार से मांग की है कि प्रदेश में भारी बारिश से हुए नुकसान का तुरंत आकलन किया जाना चाहिए और प्रभावित लोगों को उनके नुकसान की भरपाई भी की जानी चाहिए.उन्होंने कहा कि इस बरसात में सड़कों और पुलों को भारी नुकसान पहुंचा है,इसके पुनः निर्माण के लिये केंद्र से विशेष आर्थिक मदद की मांग की जानी चाहिए!

गृहिणी सुविधा योजना के अंतर्गत दिए जाएंगे निःशुल्क रिफिल

बिलासपुर, हिमालयन अपडेट

जिला नियंत्रक, खाद्य नागरिक आपूर्ति एव उपभोक्ता मामले विजेन्द्र सिंह ने बताया कि हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही हिप्र गृहिणी सुविधा योजना के अन्तर्गत 17933 निःशुल्क गैस कुनैक्शन वितरित किए जा चुके है। इस योजना के अन्तर्गत हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा लाभार्थियों को एक अतिरिक्त निःशुल्क रिफिल भी दिया जा रहा है। जिन लाभार्थियों को गैस कुनैक्शन प्राप्त हो चुके हैं उनसे अपील है कि यदि कोई लाभार्थी एक अतिरिक्त मुफ्त रिफिल से वंचित रह गए हो तो वे सम्बन्धित गैस एजेंसी से अपना एक अतिरिक्त निःशुल्क रिफिल प्राप्त कर लें।

प्रदेश में विभागीय परीक्षा 13 से 21 सितम्बर तक आयोजित करवाई जाएगी

शिमला, हिमालयन अपडेट

हिमाचल प्रदेश विभागीय बोर्ड के एक प्रवक्ता ने जानकारी दी कि कोविड–19 के कारण स्थगित की गई विभागीय परीक्षाओं का आयोजन अब 13 से 21 सितम्बर, 2021 तक करवाया जाएगा। उन्होंने कहा कि अभ्यार्थियों को विभागीय परीक्षा केन्द्र में प्रवेश करते समय केन्द्रीय अधिकारियों के समक्ष कोविड महामारी–19 के टीकाकरण का प्रमाण पत्र या 71 घण्टे पूर्व आरटीपीसीआर नेगटिव रिपोर्ट प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

उन्होंने कहा कि भारतीय प्रशासनिक सेवा, हिमाचल प्रदेश प्रशासनिक सेवा, भारतीय वन सेवा, हिमाचल प्रदेश प्रवक्ता ने कहा कि पेपर नम्बर–1 (वित्तीय प्रशासन) में उपस्थित होने वाले उम्मीदवारों की सुविधा के लिए राजकीय महाविद्यालय धर्मशाला, राजकीय (कन्या) वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला मण्डी और राजकीय महाविद्यालय, संजौली, शिमला में परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। अन्य सभी विषयों की परीक्षाएं राजकीय महाविद्यालय संजौली, शिमला में आयोजित की जाएंगी।

अभ्यार्थियों को कोरोना महामारी से बचाव के लिए भारत सरकार के स्वास्थ्य और गृह मंत्रालय द्वारा समय–समय पर जारी दिशा–निर्देशों का पालन करना भी अनिवार्य होगा।

पृष्ठ 1 का शेष

4 विभूतियों को हिमाचल गौरव...

प्रेरणा स्त्रोत सम्मान

डीसी सिरमौर के पद पर रहते हुए आईएएस अधिकारी डा राज कृष्ण प्रुथी ने शी हाट की परिकल्पना की और अल्प समय में इसका निर्माण करवाया। इस शी हाट के माध्यम से 25 से अधिक महिलाओं को रोजगार मिला है और भविष्य में इस संख्या को बढ़ाने की योजना है। इस कार्य के लिए डा. प्रुथी को प्रेरणा स्त्रोत सम्मान से सम्मानित किया गया है। वहीं देहरादून निवासी चालक सतपाल सिंह को अदम्य साहस का परिचय देकर सिरमौर जिला के शिलाई में बस को दुर्घटनाग्रस्त (ठने ।बबपकमदज) होने से बचाकर सवारियों की जान बचाने के लिए प्रेरणा स्त्रोत सम्मान से नवाजा गया है।

खिलाड़ियों को भी सम्मान

प्रदेश सरकार ने जिन खिलाड़ियों को सम्मान दिया उनमें मंडी जिला के बॉक्सर आशीष कुमार, सिरमौर जिला की कबड्डी खिलाड़ी प्रियंका नेगी, रीतू नेगी, जिला कुल्लू की कविता ठाकुर, सोलन जिला से कबड्डी खिलाड़ी अजय ठाकुर, बिलासपुर जिला से हैंडबाल की खिलाड़ी निधि शर्मा, दिक्षा, प्रियंका ठाकुर और कुल्लू जिला की खिल्ला देवी, शिमला जिला से फैंसिंग खिलाड़ी ज्योतिका दत्ता और हमीरपुर जिला के बेटलिफ्टर विकास ठाकुर को नकद ईनाम देकर सम्मानित किया गया।

मुख्यमंत्री ने जिला लाहौल–स्पीति में भूस्खलन...

उन्होंने कहा कि जनजातीय विकास मंत्री के साथ मुख्य सचिव राम सुभग सिंह और पुलिस महानिदेशक संजय कुण्डू ने भी घटना स्थल का दौरा किया।

जय राम ठाकुर ने कहा कि अब नदी का प्रवाह खुल रहा है। उन्होंने स्थानीय लोगों से नदी के किनारे तथा भूस्खलन सम्भावित क्षेत्रों के निकट नहीं जाने का आग्रह किया है।

उन्होंने जिला प्रशासन को निर्देश दिए कि यह सुनिश्चित किया जाए कि इस घटना के कारण जान–माल का नुकसान न हो।

अफगानिस्तान संकट: संयुक्त राष्ट्र में भारत ने जताई...

सुनिश्चित किया जाए कि अफगानिस्तान की जमीन का इस्तेमाल आतंकी समूहों को दूसरे देशों को धमकाने या हमले के लिए ना करने दिया जाए, तभी अफगानिस्तान के पड़ोसी और क्षेत्र सुरक्षित महसूस करेंगे। तिरुमूर्ति ने काबुल एयरपोर्ट पर मचे हड़कंप पर कहा कि हमने काबुल में हामिद करजई अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर दुर्भाग्यपूर्ण दृश्यों को देखा है। लोगों में काफी बेचैनी है। महिलाएं और बच्चे तनाव में हैं। एयरपोर्ट सहित शहर में फायरिंग की घटनाओं की सूचना है। इस संकट के पहले भारत अफगानिस्तान में करीब 30 से ज्यादा प्रांतों में अपनी विकास परियोजनाएं चला रहा था। चिंता की बात तो ये है अब ये विकास कार्य आगे नहीं चल पाएंगे। वहीं अब भारत ने सभी से कानून–व्यवस्था बनाए रखने की अपील है।

हिमाचल मे कर्मचारियों–पेंशनरों को छह फीसदी...

समाधान के लिए जल्द जेसीसी का आयोजन करने के संकेत दिए। यही नहीं, मुख्यमंत्री ने कर्मचारियों के अनुबंध और पेंशन को लेकर भी जेसीसी की बैठक में हल निकालने की बात कही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने गत दिनों अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ को मान्यता दी है। प्रदेश के हजारों अनुबंध कर्मी अनुबंध काल तीन से दो साल करने की मांग कर रहे हैं। पुरानी पेंशन की बहाली को लेकर भी हजारों कर्मचारी संघर्षरत हैं। प्रदेश की वित्तीय हालत अच्छी नहीं है,

हिमाचल में पहाड़ी गाय के संरक्षण के लिए परियोजना: वीरेन्द्र कंवर

ऊना, हिमालयन अपडेट

हिमाचल प्रदेश सरकार पहाड़ी गाय के संरक्षण तथा बंश वृद्धि के लिए राज्य में केन्द्र सरकार द्वारा वित्त पोषित तीन वर्षीय (2020–21 से 2022–23) तक 464 लाख रुपए की परियोजना शुरु कर रही है।

हिमाचल प्रदेश के पशुपालन मंत्री वीरेन्द्र कंवर ने बताया कि पहाड़ी गाय की विशिष्ट पहचान तथा गुणों की वजह से भारतीय पशुअनुवांशिक संसाधन ब्यूरो करनाल ने पहाड़ी गाय को राष्ट्रीय स्तर पर" देशी नस्ल" घोषित किया है। इस समय राज्य में कुल जनसंख्या में से 7.59 लाख (41.52 फीसदी) जनसंख्या पहाड़ी गायों की है तथा इन गायों से राज्य के कुल दूध उत्पादन का 7.46 प्रतिशत हिस्सा ग्रहण किया जाता है। जबकि राज्य में उत्पादित कुल दूध में से 10.73 प्रतिशत दूध हिमाचली पहाड़ी गायों से प्राप्त किया जाता है।

पशुपालन मंत्री वीरेन्द्र कंवर ने बताया कि पहाड़ी गाय, राज्य की पशुपालन की समृद्ध जैव विविधता को दर्शाती है तथा यह प्रजाति मुख्यतः हिमाचली पहाड़ी क्षेत्रों में विद्यमान है। पहाड़ी गायों के संरक्षण की यह परियोजना 10.9 हैक्टेयर क्षेत्रफल में फैले सिरमौर जिला के पशु प्रजनन फार्म बागथन में शुरु की जाएगी, जहां इस विशिष्ट प्रजाति के मूल परिवार के समूह को विकसित किया जाएगा ताकि इस प्रजाति की गाय तथा बछड़ों के विशिष्ट गुणों को मूल स्वरूप को संरक्षित रखा जा सके।

इस परियोजना के अन्तर्गत राज्य सरकार 75 लाख रुपये की लागत से 50 पहाड़ी गाय (30 व्यस्क तथा 20 बछियां) को पशु प्रजनन फार्म बागथन सिरमौर में पालेगी। यह 50 पहाड़ी गाएं विशेषज्ञों द्वारा परियोजना के मापदण्डों के अनुरुप किसानों से लगभग 17 लाख रुपये की कीमत से खरीदी जाएगी। पशुपालन विभाग प्रत्येक गाय के चारे आदि पर मासिक 2520 रुपये खर्च करेगा जबकि प्रत्येक बछिया के चारे, पालन पोषण पर मासिक 1572 रुपये का प्रावधान रखा गया है। इस परियोजना के अंतर्गत विभाग प्रकृतिक सेवाओं के लिए 3 हिमाचली पहाड़ी सांडों को खरीदेगा।

पशुपालन मंत्री वीरेन्द्र कंवर ने बताया कि इस परियोजना की लागत को आर्थिक रुप से किफायती बनाने के लिए इस परियोजना के अन्तर्गत हरा चारा पैदा करने के लिए चारा, दाना, खुराक, साईलेज आदि का उत्पादन स्थानीय स्तर पर ही किया जाएगा। परियोजना के अंतर्गत 9 एकड़ भूमि में 7.77 लाख रुपये की लागत से हरे चारे का उत्पादन किया जाएगा तथा पशुओं के गोबर से ऑर्गेनिक खाद तैयार की जाएगी जिसका हरे चारे के उत्पादन में उपयोग किया जाएगा।

यह प्रजनन केन्द्र इस विशिष्ट पहाड़ी गाय को प्रजाति के संरक्षण विकास, मूल जनन कोशिकाओं के विकास के केन्द्र के रुपये में विकसित किया जाएगा, जिसके माध्यम से प्रदेश के किसानों को उच्च अनुवांशिक प्रजनन के गाय ,बछड़े प्रदान किये जाएंगे ताकि इस विशिष्ट प्रजाति को संरक्षित रखते हुए किसानों की आर्थिक दशा को सुदृढ़ किया जा सके

पशुपालन मंत्री वीरेन्द्र कंवर ने बताया कि इस परियोजना के अन्तर्गत गायों, बछियों, सांड, बछड़े आदि के पालन के लिए एक करोड की लागत से फार्म विकसित किया जाएगा। परियोजना को आर्थिक तौर पर सशक्त बनाने के लिए फार्म के दूध की बिक्री, आर्गेनिक खाद, वर्मी कम्पोस्ट, गायों के उत्पादों की बिक्री तथा बायो गैस के माध्यम से बिजली पैदा की जाएगी ताकि परियोजना के आंतरिक संसाधनों को विकसित किया जा सके। परियोजना के अन्तर्गत किसानों को पहाड़ी गाय के पालन पोषण के वैज्ञानिक पहलुओं पर प्रशिक्षण देने के लिए एक आधुनिक प्रशिक्षण संस्थान स्थापित किया जायेगा।

हिमाचल प्रदेश की भौगोलिक परिस्थितियां पहाड़ी गाय के पालन के लिए अत्यन्त अनुकूल हैं। हालांकि अन्य प्रजातियों के मुकाबले "पहाड़ी गाय" कम दूध देती है लेकिन इनके दूध में गुणवत्ता तथा पोषाहार कहीं ज्यादा पाया जाता है जिससे इसका दूध बच्चों व महिलाओं के लिए सबसे उपयोगी माना जाता है । यह पहाड़ी गाय पहाड़ों में अपना चारा स्वंय खोज लेती है तथा अनेक रोगों से लड़ने की क्षमता रखती है।

गलत फैसलों से बिजली को लगा करोड़ों का 'करंट', सात प्रोजेक्ट्स में हुआ नुकसान

महालेखाकार ने बोर्ड की कार्यप्रणाली पर उठाए सवाल, लापरवाही के कारण सात प्रोजेक्ट्स में हुआ नुकसान

शिमला, हिमालयन अपडेट

प्रदेश के महालेखाकार ने बिजली क्षेत्र में सरकार को हुए नुकसान को अपनी रिपोर्ट में इंगित किया है। इसमें बिजली बोर्ड के गलत फैसलों और लापरवाही को करोड़ों रुपए के नुकसान का कारण बताया गया है। बिजली बोर्ड की सात परियोजनाओं की समीक्षा रिपोर्ट में कई तरह के खुलासे किए गए हैं, जिसमें नुकसान के कारण भी बताए गए हैं। यह नुकसान लारजी बिजली प्रोजेक्ट, भावा, गिरि, घानवी–1, गुम्मा, रौंगटौंग व रूकती में हुआ है, जिस पर महालेखाकार की रिपोर्ट में टिप्पणियां की गई हैं। 126 मेगावाट की लारजी परियोजना में नए कचरा टैंक की सफाई मशीन की खरीद, वार्षिक रखरखाव और पानी के अधिक छोड़े जाने के कारण होने वाले नुकसान को दर्शाया किया गया है। वहीं, 120 मेगावाट की भावा में पुनरोद्धार कार्य के लिए भू–क्षेत्र प्रदान करने में देरी, संचालन और रखरखाव के कर्मचारियों की लापरवाही के कारण नुकसान तथा ग्रिड की विफलता को सामने लाया गया है। इसी तरह से 60 मेगावाट की गिरि परियोजना में अत्यधिक गाद और संशोधित रनर के कारण नुकसान हुआ है। 22.50 मेगावाट की घानवी एक परियोजना में गाद हटाना, मरम्मत कार्य सौंपने में विलंब तथा इष्टतम प्रदर्शन में कमी, तीन मेगावाट के गुम्मा में मशीनों की उच्च गति और जोर असर की समस्या को हल न करने के कारण हानि हुई बताई गई है।

रौंगटोंग में जीर्णोद्धार कार्य के बाद भी लगातार समस्या बनी रहना तथा रूकती में भी यही समस्या बताई गई है। भावा में ठेकेदार के कारण विलंब व कंपनी के गलत फैसलों के चलते वर्ष 2016 के बाद से 217.40 करोड़ रुपए का नुकसान आंका गया है।

सड़क हादसे में पिता-पुत्री और दामाद की मौत

शिमला, हिमालयन अपडेट

हिमाचल प्रदेश के शिमला जिले के उपमंडल ठियोग के साथ लगते धरेच में एक सड़क हादसे में पिता–पुत्री और दामाद की मौत हो गई है। हादसा स्वतंत्रता दिवस के दिन रविवार सुबह हुआ। सभी लोग कार से धरेच से ठियोग की ओर आ रहे थी। धरेच और गरपेयां के बीच गाड़ी अनियंत्रित होकर सड़क से करीब 150 फीट नीचे जा गिरी।

हादसे में दो लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। इनकी पहचान रामानंद (65), बेटी शीला देवी (44) धरेच के रूप में हुई है। हादसे में रामगोपाल (51) गंभीर रूप से घायल हो गए, जोकि शीला देवी के पति हैं। उन्हें सिविल अस्पताल ठियोग में प्राथमिक उपचार के बाद आईजीएमसी शिमला रेफर किया गया।

यहां शाम के समय उन्होंने भी दम तोड़ दिया। पुलिस ने शवों के पोस्टमार्टम कर परिजनों के सुपुर्द कर दिए हैं। पुलिस ने इस संबंध में केस दर्ज कर हादसों की कारणों की छानबीन शुरू कर दी है। डीएसपी लखवीर सिंह ने बताया कि हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई है। शवों का पोस्टमार्टम करवाने के बाद परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया है।

वहीं चौपाल–शिमला मार्ग पर रियूनी के समीप एक कार दुर्घटनाग्रस्त हुई है। इस हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई जबकि दो अन्य घायल हुए हैं।

हिमाचल प्रदेश से पंजाब आने वाले साथ लाएं वैक्सीनेशन या आरटीपीसीआर रिपोर्ट

सीएम ने हिमाचल प्रदेश और जम्मू–कश्मीर से आने वालों की कड़ी निगरानी करने को कहा

शिमला, हिमालयन अपडेट

हिमाचल के बाद पंजाब के सीएम अमरिंदर सिंह ने राज्य में सोमवार से प्रवेश करने वाले सभी लोगों के लिए अनिवार्य पूर्ण कोविड–19 टीकाकरण या निगेटिव आरटी–पीसीआर रिपोर्ट अनिवार्य करने का आदेश दिया है। अमरिंदर सिंह ने इस संबंध में शनिवार को आदेश जारी किया और सोमवार से राज्य में प्रवेश करने वाले सभी लोगों, विशेष रूप से पड़ोसी राज्य हिमाचल प्रदेश और जम्मू–कश्मीर से आने वालों की कड़ी निगरानी करने को कहा है, जहां हाल के दिनों में कोविड मामलों में बढ़ोतरी देखी गई है। स्कूलों में कोविड के मामलों की खबरों के बीच सीएम ने यह भी निर्देश दिया है कि केवल पूरी तरह से टीके लगे टीचिंग और नॉन टीचिंग स्टाफ या जो हाल ही में कोविड से ठीक हुए हैं, उन्हें ही स्कूलों और कॉलेजों में शारीरिक रूप (फिजिकल तौर पर स्कूल जाकर) से पढ़ाना चाहिए। इसके साथ ही सभी बच्चों के लिए ऑनलाइन पढ़ाई का विकल्प उपलब्ध है।

अमरिंदर सिंह ने आगे टीकाकरण के लिए शिक्षकों और गैर–शिक्षण कर्मचारियों को प्राथमिकता देने का आदेश दिया। उन्होंने ने विशेष शिविरों के साथ यह सुनिश्चित करने के लिए कहा है कि इस महीने के भीतर सभी को पहली खुराक के साथ कवर किया जाए और जिन्हें पहली खुराक दी जा चुकी है, उन्हें दूसरी खुराक के लिए भी प्राथमिकता दी जाए। स्वास्थ्य मंत्री बलबीर सिंह सिद्धू ने शिक्षकों और अन्य स्कूल स्टाफ के लिए दूसरी खुराक को प्राथमिकता देने के लिए दो खुराक के बीच के अंतर को कम करने का सुझाव दिया। यह निर्देश अमरिंदर सिंह की अध्यक्षता में एक कोविड समीक्षा बैठक के बाद दिए गए हैं, जन्होंने हिमाचल प्रदेश और देश के अन्य हिस्सों में बढ़ रहे पॉजिटिव मामलों के बारे में चिंता व्यक्त की, जिसके कारण पंजाब में पॉजिटिविटी पिछले सप्ताह में मामूली रूप से 0.2 प्रतिशत तक बढ़ गई है और आरओ 1.05 प्रतिशत तक दर्ज किया गया है। कैम्ब्रिज के अध्ययन में यह भविष्यवाणी भी की गई है कि अगले 64 दिनों में मामले दोगुने होने की संभावना है। इसने पहले से लागू प्रतिबंधों के अलावा नए प्रतिबंधों की घोषणा पर जोर देते हुए चेताया है।

हिमाचल में स्वतंत्रता दिवस के दिन मिला पाकिस्तानी झंडा और गुब्बारे

मंडी, हिमालयन अपडेट

हिमाचल के मंडी जिला में एक बार फिर पाकिस्तानी गुब्बारे मिले हैं। यही नहीं बिलासपुर के झुंडूत्ता में भी पाकिस्तानी झंडे के साथ कुछ पाकिस्तानी गुब्बारे मिलने से क्षेत्र में दहशत है। मंडी जिला में मिले यह गुब्बारे जोगिंदर नगर उपमंडल की चौंतड़ा पंचायत में मिले हैं। इन गुब्बारों पर पाकिस्तानी झंडा बना हुआ है और उर्दू भाषा में भी कुछ लिखा हुआ है। यह गुब्बारे स्वतंत्रता दिवस के दिन जोगिंदर नगर उपमंडल की चौंतड़ा पंचायत में मिले हैं। इस बारे जानकारी देते हुए पंचायत प्रधान बंदना देवी ने बताया कि उनकी पंचायत के वार्ड नंबर 7 निवासी सुमना देवी के आंगन में सुबह पाकिस्तानी गुब्बारे मिले। घर वालों ने सुबह उठते ही जैसे इन्हें देखा तो तुरंत पंचायत प्रधान को इसके बारे में सूचना दी। जिसके बाद पुलिस को सूचित किया गया। वहीं, बिलासपुर के झंडूत्ता की पंचायत पपलोआ के गांव. गाह में भी एक पाकिस्तानी झंडा मिला है। इस झंडे के साथ 25 से 30 गुब्बारे बंधे हुए मिले हैं।बंदना देवी ने बताया कि उसके बाद इस बारे उनके द्वारा पुलिस को सूचित कर किया गया है। बता दें कि इससे पहले बीते रोज ही मंडी जिला के उपमंडल सुंदरनगर की ग्राम पंचायत चुरड के भंगलेड़ा गांव में ग्रामीण के घर के आंगन में पाकिस्तान समर्थित गुबारों का गुच्छा मिला।

किन्नौर जिला में महसूस किए गए भूकंप के झटके

किन्नौर, हिमालयन अपडेट

हिमाचल पर आज एक बार फिर प्राकृतिक आपदा ने जोरदार हमला किया है। हिमाचल के किन्नौर जिला में भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। यह भूकंप रविवार दोपहर 1.13 मिनट पर महसूस किया गया। भूकंप की तीव्रता 3.1 रही है। इसका केंद्र जमीन से 10 किलोमीटर नीचे था। हालांकि भूकंप से किसी तरह के जान और माल के नुकसान की खबर सामने नही आई है। लेकिन भूकंप के झटके महसूस करते ही लोग तुरंत घरों से बाहर निकल आए।

हिमाचल में 24 घंटें में 300 के पार हुए मामले, पड़ोसी राज्यों ने 100 का आंकड़ा भी नहीं किया क्रॉस

शिमला, हिमालयन अपडेट

कोरोना की तीसरी लहर की शुरूआत हिमाचल से हो सकती है। हिमाचल में कोरोना महामारी की तीसरी लहर के संकेत मिलना शुरू हो गए हैं। प्रदेश में स्थिति इतनी अधिक खराब हो गई है कि यूपी, बिहार, पंजाब जैसे बड़े राज्यों से ज्यादा केस हिमाचल में रिपोर्ट हो रहे हैं। जो कि प्रदेश की जनता और प्रदेश सरकार के लिए एक गंभीर विषय है और चिंता बढ़ाने वाली बात है। हिमाचल में बीते रोज 333 लोग कोरोना संक्रमित पाए गए है जबकि दो लोगों की कोरोना के चलते मौत हुई है। जिला चंबा में 70 वर्षीय महिला और मंडी में 80 वर्षीय बुजुर्ग संक्रमित पुरुष ने दम तोड़ दिया था। इसी तरह से पड़ोसी राज्यों में बीते रोज सामने आए कोरोना मामलों की बात करें तो यह आंकड़ा काफी कम है। पिछले चौबीस घंटे में उत्तर प्रदेश में 15, मध्य प्रदेश में 8, गुजरात में 17, दिल्ली में 49, हरियाणा में 16 और पंजाब में 80 कोरोना केस रिपोर्ट किए गए, जबकि अकेले हिमाचल में पिछले 24 घंटों में 333 केस रिपोर्ट हुए हैं।

ये अफसरशाही है कि छूटती नहीं: मंत्री-अधिकारी खुद टेंट तले और बच्चों को बैठाया जमीन पर

कांगड़ा के फतेहपुर में स्वतंत्रता दिवस समारोह में मंत्री सरवीण चौधरी ने झंडोत्तोलन किया

मंडी, हिमालयन अपडेट

हिमाचल सहित देश के कोने–कोने में आजादी की 75वीं वर्षगांठ बड़े धूमधाम से मनाई गई। इस मौके पर हिमाचल के कई हल्कों में रंगारंग कार्यक्रम हुए। एक तरफ जहां सीएम जयराम ठाकुर ने मंडी के सेरी मंच से तिरंगा फहराया। वहीं, दूसरी ओर स्वतंत्रता दिवस के मौके पर न्याय एवं सहकारिता मंत्री सरवीण चौधरी फतेहपुर पहुंची। उन्होंने इस दौरान जिला स्तरीय कार्यक्रम में हिस्सा लिया।इस मौके पर डीसी कांगड़ा समेत जिले के कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। इसी बीच एक तस्वीर निकलकर सामने आई। जिला स्तरीय कार्यक्रम में अफसरशाही पूरी तरह से हावी दिखी। मंत्री साहिबा के आवभगत में लीन प्रशासनिक महकमे ने उनके आगमन के लिए पूरी तैयारियां की। उनके बैठने के लिए तंबू गाड़े। वहीं, टेंट के भीतर पंखे का भी बंदोबस्त किया। ताकि उन्हें गर्मी ना लगे और पसीना न बहे। वहीं, प्रशासनिक महकमा प्रस्तुति देने के लिए पहुंचे बच्चों (बिपसकतमद) को भूल बैठा। उन्हें जमीन पर बैठाया। उनके लिए एक दरी तक नहीं बिछाई गई।

वहीं, स्वतंत्रता दिवस के मौके पर प्रशासन ने 15 साल के अयांश को सम्मानित किया है। उसे बेजुबान जानवरों को बचाने के लिए यह सम्मान दिया गया है। इस मौके पर वीओ एनजीओ के संस्थापक धीरज महाजन ने कहा कि आज जो सम्मान मिला है, उससे उनका व उनकी टीम का मनोबल बढ़ा है। उन्होंने कहा कि जो लोग बेजुबान जानवरों का शिकार करते हैं या उनपर अत्याचार करते हैं। उन लोगों पर त्वरित कार्रवाई की जानी चाहिए।

HP.PWD TENDER NOTICE. (OFFLINE)

Sealed item rate offline tender on form PWD-6 & 8 are hereby invited on behalf of Governor of Himachal Pradesh by the Executive Engineer, Kalpa Division, HP, PWD. Kalpa for the following works from the approved and eligible contractors enlisted in HP.PWD; so as to reach in the office of the Executive Engineer Kalpa Division HP.PWD. Kalpa on or before 31.08.2021 up to 10.30 A.M. and shall be opened on the same day at 11:00 AM in presence of intending contractors or their authorized representatives. The tender form documents can be had from this office (Kalpa Division, HPPWD Kalpa) against cash payment (Non–refundable) on any working day during the office hours upto 4:00 P.M. on 28.08.2021. No application for issue of tender forms will be received on 28.08.2021 after 4:00 PM. If the office happens to be closed on the above mentioned dates, the tenders will be sold/ opened on the next working day at the same time and venue. The Earnest Money in the shape of National Saving Certificate, F.D.R,s from any Post office/Bank in H.P. duly pledged in the name of Executive Engineer, Kalpa Division, HP.PWD. Kalpa must accompany with each tenders. Conditional tenders and application (For purchase of tender forms) received without Earnest Money summarily be rejected. The tenders shall be kept open for 120 days. The Executive Engineer Reserves (Right to accept or to reject any) or all the tenders without assigning any reasons.

1. **Name of Work :** Restoration of old HT road (Portion Runang to Roghi) Km 24/720 to 31/660 in GP Roghi in District Kinnaur (HP) (SH:- Removal of slips from Km 31/660 to 30/00)

   Estimated Cost : 2,20,000/- **Earnest Money:** 4500/- **Time allowed :** One Month **Cost of Form :** 350/- **Eligible class of contractor :** C & D Class

2 **Name of Work :** Improvement /widening of link road NH-22 to Ropa Khas Km 0/00 to 15/850 (SH:- C/o R/wall in GIO wire crate at RD 6/045 to 6/075 & 8/230 to 8/298)

   Estimated Cost :4,95,069/- **Earnest Money:** 10000/- **Time allowed :** Three Months **Cost of Form :** 350/- **Eligible class of contractor :** C & D Class

3. **Name of Work :** Preparation of estimate of various works under Kalpa Division, HP PWD Kalpa in District Kinnaur (HP) (SH- (i) Vigilance office building at Reckong Peo (ii) Rajsav Sewa Sadan at Reckong Peo (iii) C/o Dormitory, Principal residence, 12 Nos. Type-III quarter at JNV R/Peo (iv) C/O Mahila Kalyan Parishad at Reckong Peo (v) Balance work for the C/o Staff quarter for treasury at R/Peo).

   Estimated Cost : 4,75,000 **Earnest Money:** 9500/- **Time allowed :** Three Months **Cost of Form :** 350/- **Eligible class of contractor :** C & D Class

4. **Name of Work :** Preparation of estimate of various works under Kalpa Division, HP PWD Kalpa in District Kinnaur (HP) (SH- (i) 2 Nos. type-IV & 4 Nos. Type-III quarter for the employees of Animal Husbandry Department at Reckong Peo (ii) C/o Type-5 quarter at R/Peo (iii) C/o type IV quarter for the employees of District Hospital at Reckong Peo in District Kinnaur (iv) C/o Type-II PWD staff quarter at Reckong Peo (v) C/o type-II qtrs. for Revenue Department employees at R/Peo).

   Estimated Cost : 4,75,000 **Earnest Money:** 9500/- **Time allowed :** Three Months **Cost of Form :** 350/- **Eligible class of contractor :** C & D Class

Terms and conditions:-

The Following documents should accompany the application for tenders:-

1 Copy of valid enlistment/renewal order.
2 Copy of GST Registration No.
3 Proof of Valid E.P.F account number allotted by the Provident Fund Commissioner Shimla and copy of PAN No.
4 Ambiguous/Telegraphic/conditional tenders or tenders by fax/E–Mail shall not been entertained/considered in any case.
5 The contractors should be quote the rates of each item in words as well as figures in the Schedule of quantity.
6 The earnest money must also accompany with the application for the tender documents.
7 The tender shall be issued to those contractors who have not more than two works in hand.
8 The Contractors should be enlisted within the district of enlisting Circle as per New enlistment rule -2015

Executive Engineer,
Kalpa Division,
HP. PWD, Kalpa.

R.No. 3338/21-22

थमने का नाम नहीं ले रही पर्यटकों की गुंडागर्दी, मंडी में पुलिस से भिड़े पर्यटक

मंडी, हिमालयन अपडेट

हिमाचल प्रदेश में पर्यटकों की गुंडागर्दी थमने का नाम नहीं ले रही है। यहां सोमवार को एक बार फिर ऐसा ही वाकया मंडी शहर के चौहाट्टा बाजार में देखने को मिला है। चौहटा बाजार में ट्रैफिक पुलिस ने गलत रोड से आने और सिग्नल तोड़ने के मामले में एमएच नंबर की पर्यटकों की गाड़ी को रोका तो पर्यटक पुलिस वालों से ही उलझ पड़े। वह पुलिस के साथ बहस करने लगे. इस बीच स्थानीय लोग भी वहां इकट्ठा गए। पर्यटक लोगों के साथ भी बहस पर उतारू हो गए. जिससे शहर के बीचों बीच काफी समय तक यातायात प्रभावित रहा। इस मामले को लेकर पुलिस अधीक्षक मंडी शालिनी अग्निहोत्री ने बताया कि एक महाराष्ट्र के पर्यटकों की निजी गाड़ी शहर में विपरीत दिशा में आ गई और पुलिस कांस्टेबल के रोकने के बावजूद भी नहीं रुकी।

उन्होंने बताया कि जब पुलिस द्वारा गाड़ी को चौहाट्टा बाजार में रोका और चालक से गाड़ी के कागजात दिखाने को कहा गया तो गाड़ी चालक कागजात दिखाने में असमर्थ रहा. वह पुलिस वालों से झगड़ा करने लगा. शालिनी अग्निहोत्री ने बताया कि पुलिस ने गाड़ी को कब्जे में ले लिया है और इसके वाहन चालक पर यातायात नियम के तहत कार्रवाई अमल में लाई जा रही है।

आपको बता दें कि इससे पहले भी शहर में पर्यटकों ने हंगामा कर एक स्थानीय युवक की उंगली काट दी थी। उस घटना के बाद मंडी पुलिस मुस्तैद हो गई है और हंगामा करने वाले बाहरी राज्य के पर्यटकों पर पुलिस द्वारा पैनी नजर रखी जा रही है।

12270 फीट पर छात्रों ने एक जुट कर गया राष्ट्रगान

100 छात्रों व स्टाफ कर्मियों ने राष्ट्रगान गाकर वेबसाइट पर किया अपलोड

काजा, हिमालयन अपडेट

आजादी की 75 वीं वर्षगांठ को यादगार बनाने के लिए देशभर में आजादी का अमृत महोत्सव के तहत स्पीति प्रशासन ने राष्ट्रगान प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। काजा के आइस स्केटिंग रिंक जोकि 12270 फीट पर है। इसी में आजादी का अमृत महोत्सव के तहत 100 स्कूली छात्रों व स्टाफ कर्मियों ने भाग लिया। आइस हॉकी के खिलाड़ी, की मठ के छोटे लामा और मुस्लिंग स्कूल के बच्चे विशेष तौर पर प्रतिभागी बने। एडीएम मोहन दत्त शर्मा की अगुवाई में खिलाड़ियों और स्कूली छात्रों प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय द्वारा एक ऐसी ही अनूठी पहल शुरू की गई है ताकि सभी भारतीयों में गर्व और एकता की भावना भरी जाए। इस पहल के तहत स्वतंत्रता दिवस से पहले लोगों को राष्ट्रगान गाने और वेबसाइट www.RASHTRAGAAN.IN पर वीडियो अपलोड करने के लिए आमंत्रित किया गया है। अपलोड किए गए राष्ट्रगान का संकलन कर 15 अगस्त को लाइव दिखाया जाएगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गत 25 जुलाई को 'मन की बात' कार्यक्रम में आजादी का अमृत महोत्सव के एक भाग के रूप में इस पहल की घोषणा की थी। प्रधानमंत्री ने कहा था, "संस्कृति मंत्रालय की ओर से यह प्रयास है कि अधिक से अधिक संख्या में भारतीय एक साथ राष्ट्रगान गाने की अपील की थी।

एडीएम मोहन दत्त शर्मा ने कहा कि हमारे यहां के स्कूली बच्चों और खिलाड़ियों ने विशेष तौर पर भाग लिया । मैं सभी बच्चों और स्टाफ कर्मियों को शुभ कामनाएं देता हूं। इस मौके पर एसडीएम काजा महेंद्र सिंह प्रताप सहित अन्य अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

ऊना विस में चल रहे 1500 करोड़ से अधिक के विकासकार्य: सत्ती

ऊना, हिमालयन अपडेट

वर्तमान केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा प्रायोजित 1500 करोड़ से अधिक के विकासकार्य ऊना विधानसभा क्षेत्र के भीतर चल रहे हैं। यह बात छठे राज्य वित्तायोग अध्यक्ष सतपाल सत्ती ने शुक्रवार को 16 लाख रूपये की लागत से राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला बडैहर के चारदीवारी व सुधारीकरण के कार्य का लोकार्पण करने के उपरान्त एक जनसभा को सम्बोधित करते हुए दी।

अपने सम्बोधन में ऊना विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र की बड़ी परियोजनाओं का जिक्र करते हुए सत्ती ने कहा कि वर्तमान में इंडियन ऑयल डिपो व मार्डन आईएसबीटी बस अड्डा परियोजनाएं पूरी कर ली गई हैं। जबकि पीजीआई सेटेलाइट सेंटर, लघु सचिवालय, क्षेत्रीय अस्पताल में ट्रामा सेंटर व मातृ–शिशु अस्पताल, ऊना के रामपुर में सब्जी मण्डी भवन, व्यावसायिक पुर्नवास केंद्र (बीआरसी) भवन, ऊना में सर्किट हाउस, आईटीआई मैहतपुर व आईटीआई ऊना के बी–ब्लॉक इत्यादि अनकों बड़ी परियोजनाओं पर कार्य बड़ी तेजी से चला हुआ है। उन्होंने बताया कि करोड़ों की राशि से इस निर्वाचन क्षेत्र की सभी सड़कों को डबल लेन किया जा रहा है जिसमें सिर्फ दो सड़कें बची हुई हैं। हर घर को नल से पेयजल जल पहुंचाने का वायदा पूरा कर दिया गया है। इसके अतिरिक्त केन्द्र व सरकार की जन कल्याणकारी नीतियों का पूरा–पूरा लाभ बैंकों के माध्यम से पात्र लाभार्थी तक पहुंचाना सुनिश्चित किया है।

उन्होंने कहा कि ऊना हल्के का सुनियोजित ढंग से विकास किया जा रहा है। हल्के के स्कूलों में सौंदर्यकरण, गलियों में व पंचायत घर परिसर में इंटरलॉक टाइलिंग लगाकर एक आदर्श हल्के का रूप देने के भरसक प्रयास जारी हैं। उन्होंने कहा कि खड्डों व नालों का चैनलाइजेशन किया जा रहा है ताकि जलभराव की समस्या के निदान के साथ–साथ भूमि का उपचार भी हो रहा है। उन्होंने कहा कि कोविड 19 की समस्या से पूरा विश्व जूझ रहा है, जिससे ऊना का भी कोई क्षेत्र नहीं रहा है। उन्होंने लोगों से आहवान किया कि तीसरी लहर की चेतावनी के मध्यनजर पूरी सावधानी रखें तथा कोविड सुरक्षा नियमों का पालन करें।

इस मौके पर उपनिदेशक शिक्षा देवेन्द्र चन्देल ने कहा कि जिला में विद्यालय भवनों के सुधारीकरण पर विशेष बल दिया जा रहा है। उन्होंने उपस्थिति शिक्षक वर्ग से आहवान किया विद्यालयों में बच्चों को स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण पर सुसंस्कृत किया जाए। उन्होंने प्रधानाचार्यों दूसरे स्कूलों में भी भ्रमण करने को कहा ताकि दूसरे की विशेषताओं को देखकर अपने स्कूल में बेहतर सुधार किया जा सके।

इसके अलावा ऊना विस भाजपा मण्डलाध्यक्ष हरपाल सिंह, स्थानीय ग्राम पंचायत प्रधान अवतार सिंह, स्थानीय स्कूल के प्रधानाचार्य बिजेन्द्र सिंह ने भी अपने विचार रखे। समारोह में अन्यों के अलावा निदेशक केसीसी बैंक बलदेव सिंह, डाइट के प्रिंसीपल देवेन्द्र चैहान, स्थानीय स्कूल के प्रधानाचार्य निरीक्षण राजेन्द्र कौशल, स्थानीय एसएमसी अध्यक्ष दिलवर, विभिन्न विद्यालयों से आए प्रधानाचार्य व शिक्षकगण तथा स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

पंजाब के पठानकोट की पहाड़ी पर मिला पाकिस्तानी गुब्बारा

लिखा था आई लव पाकिस्तान, एजेंसियां जांच में जुटीं

पठानकोट, हिमालयन अपडेट

पठानकोट के दुरंगखड्ड में पाकिस्तानी गुब्बारा मिला है जिस पर 'आई लव पाकिस्तान' लिखा है। गुब्बारा दुरंगखड्ड के 2 किमी. दूर पहाड़ी पर मिला। इसे वन विभाग की लेबर ने देखा और पुलिस को सूचित किया। थाना शाहपुरकंडी समेत तमाम सुरक्षा एजेंसियां जांच में जुटी हैं। हालांकि, पुलिस का तर्क है कि आज पाकिस्तान में आजादी दिवस मनाया जा रहा है। संभवतः यह गुब्बारा वहीं से उड़कर पठानकोट पहुंच गया होगा। उसके बावजूद जांच की जा रही है। थाना शाहपुरकंडी प्रभारी नवदीप शर्मा ने बताया कि उन्हें वन विभाग की लेबर ने सूचना दी थी कि दुरंगखड्ड के पास पहाड़ी पर एक गुब्बारा मिला है। जिस पर पाकिस्तान लिखा है। वहां पहुंच कर देखा तो वह आम हीलियम गैस वाला गुब्बारा निकला। उन्होंने कहा कि उच्चाधिकारियों को इस बाबत सूचित कर दिया गया है। फिलहाल कोई संदिग्ध बात नजर नहीं आ रही। लेकिन, रविवार को स्वतंत्रता दिवस को लेकर इस मामले की भी गहनता से जांच की जाएगी। उन्होंने बताया कि उक्त पहाड़ी जम्मू–कश्मीर की सीमा के पास है। संभावना है कि पाकिस्तान में कहीं मनाए जा रहे जश्न से यह गुब्बारा उड़कर सीमा के रास्ते जम्मू–कश्मीर और फिर पठानकोट आ पहुंचा।

तीन की गई जान, 182 पॉजिटिव, 2746 पहुंचे एक्टिव केस

कोरोना ने छीनी 3532 लोगों की सांसे, 6169 सैंपल की हुई जांच

शिमला, हिमालयन अपडेट

हिमाचल में कोरोना का कहर लगातार जारी है। स्वतंत्रता दिवस के दिन भी कोरोना संक्रमण से तीन लोगों की जान गई है। सभी मृतक शिमला जिला से रिपोर्ट किए गए हैं। जिनमें एक 60 वर्षीय महिला जबकि दो 62 और 64 वर्षीय पुरुष शामिल हैं। वहीं 15 अगस्त के दिन स्वास्थ्य विभाग की रिपोर्ट के अनुसार 182 लोग कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। वहीं 257 कोरोना संक्रमित पूरी तरह से ठीक होने में कामयाब हुए हैं। प्रदेश में आज तक 2 लाख 10 हजार 143 लोग कोरोना संक्रमण की चपेट में आ चुके हैं। इसी तरह से आज दिन तक 2 लाख 03 हजार 833 कोरोना संक्रमित पूरी तरह से ठीक होने में कामयाब हुए हैं। हिमाचल में 3532 लोगों की अब तक कोरोना से जान गई है। प्रदेश में मौजूदा समय में 2746 एक्टिव केस हैं।

किस जिला से कितने मामले आए सामने

हिमाचल में आज चंबा जिला में सबसे अधिक 39 लोग कोरोना की चपेट में आए हैं। इसी तरह से बिलासपुर में 34 लोग, कांगड़ा में 29, मंडी में 29, शिमला में 26, हमीरपुर में 11, कुल्लू में 9, सोलन में 3 और लाहुल स्पीति जिला में भी दो लोग कोरोना संक्रमण की चपेट में आए हैं। इसी तरह से आज ठीक होने वालों में चंबा जिला से 86 लोग, कांगड़ा से 35, शिमला से 30, मंडी से 33, हमीरपुर से 17, कुल्लू से 17, ऊना से 11, बिलासपुर से 15, सोलन से 8, किन्नौर से 3 और सिरमौर से 2 कोरोना संक्रमित पूरी तरह से ठीक होने में कामयाब हुए हैं। हिमाचल में आज सबसे कम कोरोना सैंपल जांच को लाए गए। आज 6169 सैंपल जांच के लिए लाए गए। जिसमें 146 सैंपल की रिपोर्ट पॉजिटिव पाई गई। इसी तरह से 5909 सैंपल की रिपोर्ट नेगेटिव आई है। वहीं 114 सैंपल की रिपोर्ट का अभी इंतजार है।

HIMACHAL PRADESH
PUBLIC WORKS DEPARTMENT
NOTICE INVITING TENDER

Sealed Tenders on item rate basis are hereby invited on behalf of Governor of H.P.by Executive Engineer, NH Division, HPPWD, Hamirpur (H.P) from the experienced contractor/ firms enlisted in appropriate class with HPPWD for the following works. The tender shall be received in this office on or before 06-09-2021 upto 11.00 A.M and shall be opened on the same day at 11:30 A.M. in the presence of Contractor/Firms or their authorized/representatives who wish to be present at the time of opening of tender. The application for issue of tender document shall be received upto 03-09-2021 upto 4:00 P.M.on cash payment (Non-Refundable) and tender document will be issued on 04-09-2021 upto 5:00 P.M. If the office happens to be closed on the scheduled date the tender form document will be sold/ opened on the next working day at the same time and venue.

1. **Name of Work :** A/R & M/O on NH-503 Extn. at Km. 19/00 to 44/700 (SH:-Construction of U-shape drain partially covered with RCC covers in Km. 40/900 to 41/050 (RHS)
   Estimated Cost : 495984.00 **Earnest Money:** 10000.00 **Time allowed** : Two Months **Cost of form:** 350 **Form No. :** 6&8
2. **Name of Work :** A/R & M/O on NH-503 Extn. at Km. 19/00 to 44/700 (SH:-Construction of U-shape drain partially covered with RCC covers in Km. 41/050 to 41/200 (RHS)
   Estimated Cost : 488153.00 **Earnest Money:** 10000.00 **Time allowed** : Two Months **Cost of form:** 350 **Form No. :** 6&8
3. **Name of Work :** A/R and M/O on NH-20A (New NH-503) Km. 39/0 to 91/0 (SH: - Construction of rain shelter near Neharanpukhar Chowk at RD 63/705)
   Estimated Cost : 426716.00 **Earnest Money:** 8600.00 **Time allowed** : Two Months **Cost of form:** 350 **Form No. :** 6&8

Draft notice inviting/ specification special conditions can be seen in this office on any working day between 11:00 AM to 4:00 PM ambiguous/ Telegraphic conditional tenders by fax shall not be entertained/ considered in any case. The contractors/ firms are requested to insert the rate of each item in words as well as in figure, failing which Executive Engineer, reserves the right to accept/ reject any or all tenders. The intending contractors/ firms are requested to see the site of work before submitting the tenders. All the application must accompanied with the Earnest Money in the shape of call at deposit/ N.S.C. purchased from any post office in H.P/FDR from any nationalized bank duly pledged in favour of Executive Engineer. The application without earnest money will not be entertained and out rightly rejected.

CONDITIONS: - The following document are required to be attached with the application:-

1 A copy of valid enlistment and renewal certificate.
2 A copy of GST
3 Any other information as desired by the Executive Engineer. Any application not accompanied by above documents shall not be entertained. The tender shall be issued to those contractors/ firms who are found eligible, suitable and competent. The decision of the Executive Engineer, regarding suitability, eligibility and competence of the contractor/ firm applying for issue of tenders shall be final. In case, of any information supplied by the contractor/ firm, is found false at any stage the tender is liable to be rejected and action taken against contractor/ firm.
4 Copy of Pan Card.

"HIM SUCHNA AVAM JAN SAPARAK"

R.No. 3401/21-22

HIMACHAL PRADESH
PUBLIC WORKS DEPARTMENT
NOTICE INVITING TENDER

Sealed item rate tender are hereby invited by the Executive Engineer, Bilaspur Division No. II, HP-PWD, Bilaspur for the following works from the registered contractors of appropriate class enlisted in HP-PWD, whose registrations stood renewed as per revised instructions and also registered dealers under the Himachal Pradesh, General Sales Tax Act. 1968. The important date of tender are as under:-

Date of application	28-08-2021 upto 2.00 PM
Date of sale of tender form	28-08-2021 (03:00 PM to 05:00 PM)
Date of receipt of financial bid	31-08-2021 at 10.30 AM
Date of opening of financial bid	31-08-2021 at 11.00 AM

The tender shall be received up to 10.30 A.M. on 31-08-2021 and will be opened on the same day at 11.00 A.M in the presence of intending contractors or their authorised representative who may like to be present. The tender form can be had from this office against cash payment as shown below (Non-refundable) during the working hours on 28-08-2021.

The Earnest money in the shape of National Saving Certificate/Deposit at call/ Time Deposit /Account/ in any of the Post-Office/Nationalised Bank in H.P. duly pledged in favour of Executive Engineer, Bilaspur Division No. II, HP-PWD, Bilaspur must accompany with each application. Conditional tenders and the tenders received without earnest money will simultaneously be rejected. The offer of the tender shall be kept open for 90 days. The XEN reserve the right to accept or reject the tenders without assigning any reason.

1. **Name of Work :** C/o Missing culvert on link road Swahan Behal via Lakhala road Km. 0/0 to 11/615 (SH:- C/o 900mm dia hume pipe culvert at RD 0/965 and 4/195) under Himachal Pradesh Improvement Scheme
   Estimated Cost : Rs. 2,60,635/- **Earnest Money:** Rs. 5,300/- **Cost of form:** 350 **Time limit** : Three Months

TERM & CONDITIONS: -

1. The tender forms will not be issued to those contractors whose performance is not found satisfactory.
2. Earnest money should be accompanied with application. Application without earnest money will not be entertained.
3. The photo copy of Pan Number should be attached with the application otherwise tender form will not be issued.
4. The photo copy of GST Number should be attached with the application otherwise tender form will not be issued.
5. The tender forms will not be issued to those contractors who have two or more work in hand.

"HIM SUCHNA AVAM JAN SAPARAK"

R.No. 3352/21-22

मैं हिंदुस्तान हूँ

ऐसा मैं हिंदुस्तान हूं
मैं सचमुच देश महान हूं
है सरताज ऊंचा हिमालय
सागर मेरा पांव पखारे
कर्मठ परिश्रमी लोग यहां के
नित नित मेरा रूप निखारें
आज भी मैं दिखता जवान हूं
ऐसा मैं हिंदुस्तान हूं
अलग–अलग जाति धर्म वेशभूषा
खानपान रीति रिवाज को कर समाहित
अनेकता में एकता को दर्शा कर
हर मजहब के त्यौहार मना होता गर्वित
दुनिया में एक अलग पहचान हूं
ऐसा मैं हिंदुस्तान हूं
सभ्यता की प्रथम सोपान हूं
संस्कृति की अनुपम पहचान हूं
संस्कार की अद्भुत दास्तान हूं
अनगिनत शहीदों की बलिदान हूं
राष्ट्रध्वज फहरा मैं गाता राष्ट्रगान हूं
ऐसा मैं हिंदुस्तान हूं
आज भरोसा है बहुत मुझे
अपने शूरवीर रणबांकुरों पर
वे जाबांज वतन के खातिर
खेल जाएंगे अपनी जानों पर
चीन पाकिस्तान की करतूतों से
अब मैं होता नहीं परेशान हूं
ऐसा मैं हिंदुस्तान हूं
मैं सचमुच देश महान है

–रीना गुप्ता श्रुति

दहेज

दहेज़ दहेज़ दहेज़
कितना अजीब है,
दहेज़ माँगना बुरा कैसे है?
ये सिर्फ बहाना है,
दहेज़ यदि इतना बुरा है तो
तो बेटी का बाप बेटे के बाप से
सीधे सीधे पूछता है क्यों?
उसकी डिमांड।
क्या दिखाना चाहता है वो
आखिर बेटे के बाप को?
शायद उसकी औकात
दिखाना चाहता है,
या अपनी हैसियत से
उसका बेटा खरीदना चाहता है?
दहेज की माँग न हो तो
अच्छे भले लड़कों में
तमाम खोट ही खोट नजर आता है,
रिश्तों का अकाल सा पड़ जाता है।
क्योंकि कन्या के लिए
वर भला अब कौन तलाशता है?
अब तो लगता है कि हर बाप भी
बेटी के लिए पति नहीं
सिर्फ गुलाम चाहता है,
बेटी की खुशियों से अधिक
दुनिया को अपनी हैसियत
दिखाना चाहता है,
बेटी के सास ससुर पति परिवार को
पैसे के बोझ से दबाए रखकर
बेटी की स्वतंत्रता चाहता है।
मगर भूल जाता है
बेटी के जीवन में खुशियां कम
गम और अस्थिरता
आपसी सामंजस्य में वह खुद ही
पैसों का जहर घोल देता है,
रिश्तों का अहसास पैसों के बोझ तले
सदा सदा के लिए दफन हो जाता है।
दहेज़ सिर्फ़ रोना है
बस महज बहाना है
जब हम बहन बेटी ब्याहते हैं,
वहीं जब बेटा भाई ब्याहना होता है
तो बड़े ही प्यार और सफाई से
दहेज़ को परदे के पीछे रख
जाने कैसा कैसा अर्थशास्त्र
बेटी वालों को समझाता है।
दहेज का तो सिर्फ़ बहाना है
बेटी वाला हो या बेटा वाला
दोनों का असल मकसद एक है
दहेज के बहाने से समाज में
अपनी औकात दिखाना है।

–सुधीर श्रीवास्तव,
गोण्डा उ.प्र.

परिवर्तन

रोजी–रोटी के जुगाड़ में अंधी जनता
भेंड़ सरीखे मेड़–डांड़ पे
शीष झुकाये भाग रही है।
दायें–बायें ऊपर–नीचे
एक बारगी नजर न डाले
बिना किये कुछ मिले पगारी
लटके रहें फर्म में ताले
बैद्य खिलाड़ी हीरो नेता व अभियन्ता के
पोषण में कर अनन्त उद्यम तनमन से
स्वार्थ सोम हित चढ़ा ताड़ पे
पूरे कर अपनी अभिलाशा
लोक निराशा बिना विचारे
शिक्षित बेकारी के अन्देखे दुःख गिरि से
गिरा के पल्ला झाड़ रही है।
हम अबोध न समझ सके विधि विधा प्रयोजन
रह प्रमाद में स्वाद हेतु प्रासाद पुण्ड की
खाक भाल पर पोत कपोत से सारस बनके
पल–पल मोती छान रहे हैं।
आज धर्म गुरु धन–धन्धा लघु लोग मानते
दृश्य जगत को टका भाव का जान–बूझ के
अन्देखे की महिमा गाते।
काश समझ पाते सब मानव धर्म नीति को
निष्ठा नेह विवेक सत्य करुणा कौशल संग
साहस लाज सुराज काजगत संत रीति को।
बंद हुआ सारे विवाद का अंतस–अंकुर
मानिनियों के मान सुरक्षित आज लग रहे
उनकी भी पहचान हो रही बिन बैशाखी
धीरे–धीरे नियति–नीति से सर्व चेतना
तनिक फूंक शासन के लगते ही पलभर में
राख में ज्वाला जाग रही है।।

–डॉ. मनीराम वर्मा
गुवाँव (पालीपट्टी) टाण्डा, अम्बेडकरनगर

तिरंगा लहरा ले रे

तिरंगा लहरा ले रे धरती हमारी है
अंबर हमारा नवजीवन हमारा है
धरती हमारी है अंबर हमारा नव जीवन हमारा है।
तिरंगा लहरा ले रे

वीर भूमि औ धरती तेरा रंग केसरिया भाए
शस्य श्यामला भूमि तेरा हरित रंग हर्षाए,
श्वेत तेरा बाना है रे श्वेत तेरा बाना है रे
धरती हमारी है अंबर हमारा नवजीवन हमारा है ।
तिरंगा

आज हिंदी की धरती पर उतरे चांद सितारे आसमान
पर छाए हैं मस्त बदरवा कारे,
चमन दीवाना है रे चमन दीवाना है रे
धरती हमारी है अंबर हमारा नव जीवन हमारा है।
तिरंगा

हम भारत मां के सपूत हैं वीर और बलवान,
माँ की सेवा में समर्पित हैं तन मन और जान,
इस पे बलि जाना है रे, इस पे बलि जाना है रे।
धरती हमारी है अंबर हमारा जीवन हमारा है।
तिरंगा

–पूनम सिन्हा "प्रीत"
देवघर, झारखंड

भारत गौरव सम्मान

भारत रत्न गौरवान्वित है
रत्नों के पास जाकर के
पर कुछ रत्न बाकी है अभी
इसका मान बढ़ाने को
लिखते हैं कुछ नाम यहाँ
आजादी के परवानों के
भगतसिंह और चन्द्रशेखर
जतिन दा और साथी सब
जादूगर हॉकी के अपने
और वीर सावरकर
भारत की शिक्षिका पहली
और नेताजी है इस पर
हो सकता है लिख न पाऊँ
नाम इतने इतिहास में है
हो सके तो इन सबको
भारत गौरव सम्मान मिले
देकर भारत गौरव सबको
इस सम्मान को खत्म करे

–धीरज कुमार शुक्ला'दर्श'
झालावाड़ ,राजस्थान

कितना हँसता था वो बचपन का दौर ।
कितने खुश थे बचपन के वो दोस्त।
फ़िर ये दुश्मन जवानी आ गयी ।
सारी हँसी खुशी सब छीन कर ले गयी
तब रोना भी होता था तो खुलकर रो लेते थे।
अब रोने के लिए भी छुपना पड़ता है।
खो गया बचपन ना जाने कहाँ जवानी की भीड़ में।
अब तो उदास चेहरा हीं लेकर घूमते हैं।
काश कहीं से भी लौट आए मेरा बचपन
और मैं खो जाऊँ फ़िर से माँ की गोद में।

–विवेक अज्ञानी
गोंडा उत्तर प्रदेश भारत

बेबस ममता

आज वो बहुत रो रही थी।
फूट– फूटकर बहुत रो रही थी ।
कई जख्मों से लहूलुहान था वदन उसका,
जैसे लाठियों से किसी ने,
मारा हो अभी अभी उसे।
क्या इसलिए वो रो रही थी।

नहीं!इन लाठियों से कब से,
समझौता किया था उसने।
रोज आकर शराबी पति,
पीटता था जो उसे।
फिर क्यों आज वो इतना,
फूट– फूटकर रो रही थी।

प्रसूता थी वो नई – नई,
कभी भूखी, कभी नमक– भात,
और कभी रूखा – सूखा खाकर,
पाला था उसने नौ महीने,
करके झाड़ू – पोछा और छुपाकर
जोड़े थे उसने कुछ पैसे,
जो छीनकर आज उससे उसका पति ले गया।
और छुपाने का दंड उसे दे गया।
क्या इसलिए वो इस तरह ,
फूट– फूटकर रो रही थी।

नहीं ! वो अपनी बेबस ममता पर रो रही थी।
उसके तन से नहीं बह रही अमृत दुग्ध – धारा।
आज तो उसने अपने नवजात की,
क्षुधा शांत कर दी है।
परन्तु अब आगे कैसे ?
अपने पुत्र को गो – अमृत पिलायेगी ।
यही सोचकर यह प्रसूता,
बहुत फूट– फूटकर रो रही थी।
आज वो सचमुच बहुत रो रही थी।

–सुशीला कुमारी
धनबाद (झारखंड)

आजादी

आया है शुभ दिन आजादी पर्व का,
मनाओ आजादी का तुम जश्ने पर्व.
पर याद करो तुम उनको भी,
जिन्होंने देश पर वार दिया अपना तन मन.

कह गए गर्व से वे भारतवासियों से,
हम तो चले पर वतन है तुम्हारे लिए.
लहराता रहे भारत का परचम शान से,
देना तुम सम्मान अपनी जान से.

अब कोई हम पर जुल्म– सितम कर सके,
ऐसी अब किसी में ताकत नहीं.
आंख गड़ाए अगर हमारी सीमा पर,
फोड़ देंगे उनकी आंखें अपनी शक्ति से.

अपनी आजादी के लिए कई दीए बुझे हैं,
तब जाकर आजादी के दिए जले हैं.
यह दिया जगमगाता रहे प्रकाश से,
अपना तिरंगा लहराता रहे शान से.

रखेंगे अक्षुण्ण अपनी संप्रभुता अखंडता को,
कोई तोड़ ना सके हमारी एकता को.
फिर न मचे देश में भेदभाव का दंगा,
फैलाएंगे हम प्रेम–सौहार्द की गंगा.

–अनीता निधि
जमशेदपुर, झारखंड

नीलाम आज़ादी

जश्न किस बात का यारों,
धरती आज़ाद क्या हई,
लाल पानी से नहा गयी,
मज़लूमों की चीखों से दहल गयी,
इज़्ज़त दांव पे लगती रही,
कुछ ज़ालिम चालबाजों के ठहाकों पर
ज़ार ज़ार दर्द के आंसू बहाती रही.
वो खुशहाली की हरियाली
जो लहलहाती थी ,
रुठ कर कभी लौट नही आई,
आज़ादी के दीवानों मस्तानों की
शहादतें भी
किस काम फिर आयीं,
वो शहादत पा गए,
घर के चिराग बुझ गए,
उनके परिवार के हिस्से भी
बदनसीबी ही आई ।

गुलाम थे ,गुलाम हैं ,
गुलाम होकर ही रह गए हैं,
बेड़ियां बंधी दिखती नहीं,
अपनों के हाथों ही
नीलाम होकर रह गए हैं।
हम अपनों के हाथों ही
नीलाम होकर रह गए हैं।
अब भी अगर हिम्मत है तो
होश में आ जाओ,
सच्ची आज़ादी के सूरज को
फिर से आवाज़ लगाओ,
एकता के आगे पछाड़ जाएगी
गुलामियों की आंधी भी,
दृढ़ता का दीया बनकर
राहों को रौशनी दिखाओ,
दृढ़ता का दीया बनकर
राहों को रौशनी दिखाओ।

–वरिन्दर जीत कौर
पटियाला, पंजाब

क्यों न जीत पाए हम

क्यों ,न जीत पाए हम
क्या ,कारण रहा गुलाम रहे हम
क्यों ,न जीत पाए हम
क्या ,नहीं था हमारे पास
सोना, धन दौलत
ज्ञान–विज्ञान, फ़िर क्यों हुए गुलाम हम
न कभी सीमाएं लांघी
न कभी असहाय कमज़ोर को लूटा
न कभी हैवानियत की
तटस्थ रहे फ़िर भी
क्यों गुलाम रहे हम
क्यों न जीत पाए हम
न किसी धर्म का अपमान किया
न किसी धार्मिक स्थान को जर्जर और नष्ट किया
सब का सम्मान किया
फ़िर भी लोगों ने धोखा और अन्याय किया
क्योंकि शायद हमें न्याय प्रिय था
क्योंकि हमें शायद सत्य प्रिय था
फ़िर क्यों न जीत पाए हम
क्या कारण रहा गुलाम रहे हम

क्यों न जीत पाए हम
क्योंकि शक्ति हमारे साथ नहीं थी
क्या नहीं था और क्या कमी थी
सब कुछ तो था जन शक्ति, धन शक्ति, तकनीक
परन्तु इतिहास ने न हमारा साथ दिया
बस एक कमी थी कि हमनें न अपनों का साथ दिया
इसी कारण परतंत्रता कि बेडी झेली
क्योंकि संगठन, समन्वय , सामंजस्य,विश्वास की कमी थी
आज भी दंश झेल रहे जाति, समाज, धर्म कि जंजीरों में
हम दुश्मन से कभी न हारे
हारे तो अपनों से हारे
उनको को तो मुंह तोड़ जबाव दे देते
पर हम अपनों से हारे
शत्रु ताकतवर वीर नहीं था
वो पृथ्वी, प्रताप, शिवाजी,भगत, आजाद, बोस सा शेर
नहीं था
फ़िर क्यों हारे
क्यों? न जीत पाए हम
क्या ?कारण रहा गुलाम रहे हम
क्यों? न जीत पाए हम

"विक्रम मिल्की बाबूलाल शर्मा"
सह प्रभारी, "हिमालयन अपडेट गुजरात

सम्पादकीय

अब जागना ही होगा

संयुक्त राष्ट्र के इंटर गवर्नमेंटल पैनल ऑन क्लाइमेट चेंज (आईपीसीसी) की ताजा रिपोर्ट ने एक बार फिर यह अहसास कराया है कि दुनिया विनाश की ओर तेजी से बढ़ती जा रही है। दो सौ से अधिक वैज्ञानिकों द्वारा संयुक्त रूप से तैयार की गई इस रिपोर्ट में साफ तौर पर कहा गया है कि बात सुदूर अतीत की या सदी के आखिर की नहीं है कि मौजूदा पीढ़ी यह सोचकर निश्चिंत रहे कि जो भी होगा, हमारी आंखों के सामने तो नहीं होगा। रिपोर्ट के मुताबिक, मौजूदा हालात बने रहे तो दो दशक के अंदर यानी 2040 तक ही पृथ्वी का तापमान 1.5 डिग्री सेल्सियस बढ़ चुका होगा। उसके नतीजों के रूप में हमें जो कुछ भुगतना पड़ेगा, उसका अंदाजा लगाने के लिए रिपोर्ट के विस्तार में जाने या ऐसे ही अन्य अध्ययनों को खंगालने की जरूरत नहीं है। प्रकृति अभी से अलग–अलग घटनाओं–आपदाओं के रूप में हमें प्रत्यक्ष रूप से इसका संकेत देने लगी है। अपने देश में पहाड़ों के टूटने, ग्लैशियर खिसकने और एक ही समय में कहीं सूखा तो कहीं बाढ़ की स्थितियां बनने की खबरें अब पहले की तरह नहीं चौंकातीं। अन्य देशों में भी मौसम की ऐसी विचित्रताएं सामान्य लगने लगी हैं। अमेरिका और कनाडा के जंगलों की आग दुनिया भर में खबर बनी। दुनिया के सबसे ठंडे इलाकों में गिने जाने वाले साइबेरिया में अत्यधिक गर्मी (सीवियर हीट) पड़ी है और जंगल में आग लगने की घटनाएं भी हुई हैं।

आईपीसीसी की रिपोर्ट यह बात भी साफ कर देती है कि इन सबके लिए कुदरत नहीं बल्कि इंसानी गतिविधियां ही मुख्य रूप से जिम्मेदार हैं। रिपोर्ट में पाया गया है कि ग्लोबल वॉर्मिंग में ज्वालामुखी विस्फोट या सूरज की गर्मी जैसे प्राकृतिक कारकों की भूमिका लगभग शून्य रही है। बहरहाल, इस रिपोर्ट की खास बात यह भी है कि यह पर्यावरण विशेषज्ञों की तैयार की हुई कोई सामान्य रिपोर्ट नहीं बल्कि संयुक्त राष्ट्र के जरिए दुनिया के 195 देशों के प्रतिनिधियों द्वारा समर्थित दस्तावेज है। यानी इसके पीछे एक तरह की वैश्विक सहमति है। और यह ऐसे समय सामने आई है जब ग्लासगो में होने वाले यूएन क्लाइमेट चेंज कॉन्फ्रेंस (कॉप 26) को तीन महीने से भी कम समय रह गया है। वह मौका होगा इस वैश्विक सहमति को ठोस निष्कर्षों तक ले जाकर नीतियों और फैसलों का रूप देने का। वह पिछली सहमतियों पर अमल का लेखा–जोखा लेने का भी मौका होगा। यह देखना होगा कि इस दिशा में ठोस कदम उठाए जाने में कौन सी बाधाएं हैं और उन्हें दूर करना होगा। हमें हर हाल में धरती को बचाना होगा। इसके साथ, जलवायु परिवर्तन के बारे में सबसे बड़ा सच यह भी है कि ग्रीन हाउस गैसों के इमिशन में चीन और अमेरिका का आधा योगदान है। इसलिए उन्हें खासतौर पर इसमें कमी लाने की पहल करनी होगी। इसके साथ पूरे वैश्विक समुदाय को इस अभियान में शामिल होना होगा क्योंकि जलवायु परिवर्तन का असर पूरी धरती पर पड़ रहा है।

नाग पंचमी विशेष

श्रावण मास बड़ा ही पवित्र माना गया है शिवजी की उपासना के लिए यह प्रमुख माह है।

वहीं शिवजी के कंठहार बनकर लिपटे हुए नागराज की भी उपासना, पूजन भी इसी श्रावण मास की पंचमी तिथि को किया जाता है।

देश के कुछ भागों में श्रावण मास की कृष्णपक्ष की पंचमी तिथि को तो देश के कुछ अन्य भागों में शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को नागपंचमी का पर्व नागपूजन कर बड़े धूमधाम से मनाया जाता है।

नागपंचमी के दिन भारत के अनेक राज्यों में नाग को दूध पिलाकर नाग देवता से रक्षा की कामना करते हैं।

नागपंचमी के दिन नागों की पूजा के साथ ऋषि आस्तिक के जन्म की कथा और सर्प यज्ञ की कथा पढने से भी नाग देवता प्रसन्न होते हैं।

इस दिन घर के मुख्य द्वार पर दोनों ओर गाय के गोबर से नाग का चित्र बनाने से भी नाग दंश का भय दूर होता है!

अनेक स्थानों पर आज के दिन खीर पूड़ी तथा चने का पकवान बनाकर शिवजी तथा नागदेवता को उसका भोग भी लगाया जाता है।

नाग पंचमी का महत्व

हिंदू मान्यताओं के अनुसार कुंडली में यदि कालसर्प योग, ग्रहण योग, गुरु चांडाल योग आदि अशुभ योग हैं तो नाग पंचमी के दिन नाग देवता की पूजा करके इन दोषों से मुक्ति पाई जा सकती हैं।

कालसर्प दोष से मुक्ति के लिए इस दिन भारत के विभिन्न तीर्थ स्थलों पर नाग देवता की पूजा आराधना की जाती है।

नाग पंचमी के दिन नाग देवता के साथ–साथ भगवान शिव की पूजा करने से सर्पदंश का भय नहीं रहता साथ ही ग्रहों का प्रतिकूल असर भी दूर होता है।

पौराणिक कथा

नाग पंचमी के दिन नाग पूजा को लेकर भविष्य पुराण के पंचमी कल्प में एक रोचक कथा मिलती है। कथा के अनुसार, राजा परीक्षित के पुत्र जनमेजय ने अपने पिता की मृत्यु का बदला लेने के लिए के फैसला किया था। राजा परीक्षित की मृत्यु तक्षक नाग के काटने से हुई थी इसलिए जनमेजय ने यज्ञ से संसार के सभी साँपों की बलि चढ़ाने का निश्चय किया।

मंत्रों की वजह से तक्षक नाग यज्ञ की ओर खिंचे चले जा रहे थे। उन्होंने सभी देवताओं से जान बचाने का आग्रह किया। तब देवताओं के प्रयास से ऋषि जरत्कारु और उनकी पत्नी (तथा नाग वासुकी की पुत्री) देवी मनसा के पुत्र आस्तिक मुनि नागों को हवन कुंड में सांपों को जलने से बचाने के लिए आगे आए। ब्रह्माजी के वरदान के कारण आस्तिक मुनि ने जनमेजय के यज्ञ का समाप्त करवाकर नागों के प्राण बचा लिए थे।

बताया जाता है कि जिस दिन ब्रह्माजी ने आस्तिक मुनि द्वारा नागों को बचाने का वरदान दिया था, उस दिन पंचमी तिथि थी। इसके साथ ही जिस दिन आस्तिक मुनि ने राजा जनमेजय के यज्ञ को समाप्त करवाकर नागों के प्राण बचाए थे, उस दिन सावन की पंचमी तिथि थी। इसलिए सांपों को पंचमी तिथि अति प्रिय है। इसलिए पंचमी और सावन की पंचमी तिथि को नागपंचमी का त्योहार मनाने की परंपरा महाभारत काल से चली आ रही है।

दीपशिखा श्रीवास्तव'दीप'
सुप्रसिद्ध कवयित्री, लेखिका
राष्ट्रीय संरक्षक, हिमालयन अपडेट साहित्य सृजन

फौजी जागता है

लोग ये सोचकर नहीं सोया करते
कि सूरज छिप जाता है
देश चैन की सांस सोता है
क्योंकि सरहद पर फौजी जागता है

पूरी कायनात पौधे पत्ते
फूल और पेड़ सो जाता है
मातृभूमि की रक्षा के लिए
फौजी सारी रात जागता है

घर पर मां–बाप, भाई–बहन
पत्नी, बच्चा इंतजार करता है
वही तो है जीवन उसका
उनसे मिलने जाना होता है
एक दोस्त छुट्टी तो दूसरा
हाफ नाइट ड्यूटी देता है

तूफान चले आंधी चले
फिर भी नहीं घबराता है
बादल बरसे या गिरे बर्फ
फिर भी नहीं डरता है
मातृभूमि की रक्षा के लिए
फौजी सारी रात जागता है

सरहद पार करके आ ना जाए घुसपैठिया
इसके लिए पेट्रोलिंग एंबुश करता है
आ भी जाए कोई तो ,उसे मार गिराता है

लोग यह सोचकर नहीं सोया करते
कि सूरज छुप जाता है
देश चैन की सांस सोता है
क्योंकि सरहद पर फौजी जागता है

-प्रेमपाल
हमीरपुर(हिमाचल प्रदेश)

भारत का तिरंगा

भारत का तिरंगा भारत का अभिमान है
भारत की आन है भारत की शान है
इसकी रक्षा ख़ातिर शहीद हुए वीर जवान है
भारत का तिरंगा माँ भारती की जान है
तिरंगा हमारे भारतीय होने का प्रमाण है
भारत का तिरंगा भारत का अभिमान है .
बुरी नजर जो डाले उसका, हुआ बुरा परिणाम है
भारत का तिरंगा माँ भारती की जान है
हमारी एकता की दिलाता यह पहचान है
भारत का तिरंगा भारत का अभिमान है
साहस, शांति, खुशहाली का ये उपनाम है
भारत का तिरंगा भारत का अभिमान है
इसकी शान में गुस्ताखी करना भी नागवार है
भारत का तिरंगा भारती की जान है
इसकी आन के लिए, हर भारती कुर्बान है
भारत का तिरंगा भारत का अभिमान है

-प्रीति पाठक 'प्रीति', फरीदाबाद, हरियाणा

मुझे बच्चा बन जाना है

एक बार फिर से मुझे बच्चा बन जाना है
दुनिया के झमेलों से दूर
अपनी ही मस्ती में मस्त जीवन बिताना है
एक बार फिर से मुझे बच्चा बन जाना है

कागज की नाव बना पानी में मुझे बहाना है
तितलियों के पीछे भाग कर
अपना दिल मुझे बहलाना है
एक बार फिर से मुझे बच्चा बन जाना है

जाकर अपनी दादी अम्मा के पास
मेरे दोस्तों ने मुझे चिढ़ाया है
उनको अपना दुखड़ा सुनाना है
एक बार फिर से मुझे बच्चा बन जाना है

लगी है चोट मुझे रोते रोते जाकर
मां की गोद में सो जाना है
मां की फूंक का मरहम उस चोट पर लगाना है
एक बार फिर से मुझे बच्चा बन जाना है

टूटे अपने खेल खिलौने देखकर
भाई बहन मित्रों का नाम फसाना है
रोकर पापा का दिल पिघलाना है
एक बार फिर से मुझे बच्चा बन जाना है

भूत भविष्य की चिंता नहीं
आगे पीछे की कोई खबर नहीं
बस आज में मुझे जीवन बिताना है
एक बार फिर से मुझे बच्चा बन जाना है

एक बार फिर से मुझे बच्चा बन जाना है
दुनिया के झमेलों से दूर
अपनी ही मस्ती में मस्त जीवन बिताना है
एक बार फिर से मुझे बच्चा बन जाना है।

-अनु ठाकुर
टिहरा, सरकाघाट
हिमाचल प्रदेश

उठे जब भी कलम

उठे जब भी कलम कुछ ऐसा लिखे।
प्रभाव जिसका इस समाज में दिखे।
कलम वह हथियार है जो वार तेज करती है।
किसी गोले किसी बारूद से नहीं डरती है।
समाज में परिवर्तन का हौंसला रखती है।
तुम भी लिखो वह सब झलक जिसकी दिखे।
उठे जब भी कलम कुछ ऐसा लिखे।
लिखो तुम प्रहार जो प्रकृति पर रोज होते हैं,
लिखो जो अत्यचार नारियों पर सदा होते हैं।
भ्रष्टाचार हर तरफ फलीभूत है वह भी दिखे।
उठे जब भी कलम कुछ ऐसा लिखे।
समाज में घृणित काज नित हो रहे,
बच्चों के सामने देखो बूढ़े रो रहे ,
लिखो कुछ आईना जो सबको दिखे।
उठे जब भी कलम कुछ ऐसा लिखे।।

-ओम प्रकाश श्रीवास्तव ओम
उत्तर प्रदेश

दोहे-देश के नाम

आज दिवस पावन बड़ा,बढ़ी देश की शान।
भूलना उनको नहीं,दे दी जिसने जान।।
सपूत सच्चे देश के, किया देश आजाद।
याद करें उनको चलो, सभी छोड़ कर काज।।
भूल नहीं जाना कभी,इनका ये बलिदान।
रखना अक्षुण्ण है हमें,वही पुरानी शान।।
जाति धर्म से हो परे,देश का करना मान,
विश्व गुरू की फिर मिले,देश को पहचान।।
नया रंग ले ,नये जोश से, नवभारत आगाज़।
परचम है लहरा रहा,विश्व पटल पर आज।।

-रश्मि सिंह, रांची झारखंड

15 अगस्त

ये दिन है बड़ा ही मस्त–मस्त...
ये दिन है बड़ा ही मस्त....
लहरायें तिरंगा हम प्यारा...
ले कर के अपने हस्त–हस्त...
ये दिन है बड़ा ही मस्त...
हुआ देश आज अपना स्वतंत्र...
बरसों से रहा था जो परतंत्र...
नया एक बना गणतंत्र– तंत्र...
करके दुश्मन को पस्त–पस्त...
ये दिन है बड़ा ही मस्त...
जो सच्चे थे हिन्दुस्तानी...
आजादी की मन में ठानी...
भिड़ बैठे रण में अभिमानी...
कर अपने दिल को सख्त–सख्त...
ये दिन है बड़ा ही मस्त...
इस दिन के लिए मां के बेटे...
मर गए जमीं पर थे लेटे...
खुद अपना बहा के रक्त–रक्त...
फिर पाया ताजो तख्त–तख्त...
ये दिन है बड़ा ही मस्त...
करो उनको नमन हर बार–बार...
जो कर बैठे जां तन निसार...
रहो मिल के एक करो उनको प्यार...
कहे "शुक्ला " ये हर वक्त–वक्त...
ये दिन है बडा ही मस्त...
लहरायें तिरंगा हम प्यारा...
लेकर के अपने हस्त–हस्त...
ये दिन है बड़ा ही मस्त...
जय हिंद

-दीन दयाल शुक्ला शा.
शिक्षक रा उ प्रा वि चीमापुरा,
चाकसू, (जयपुर)

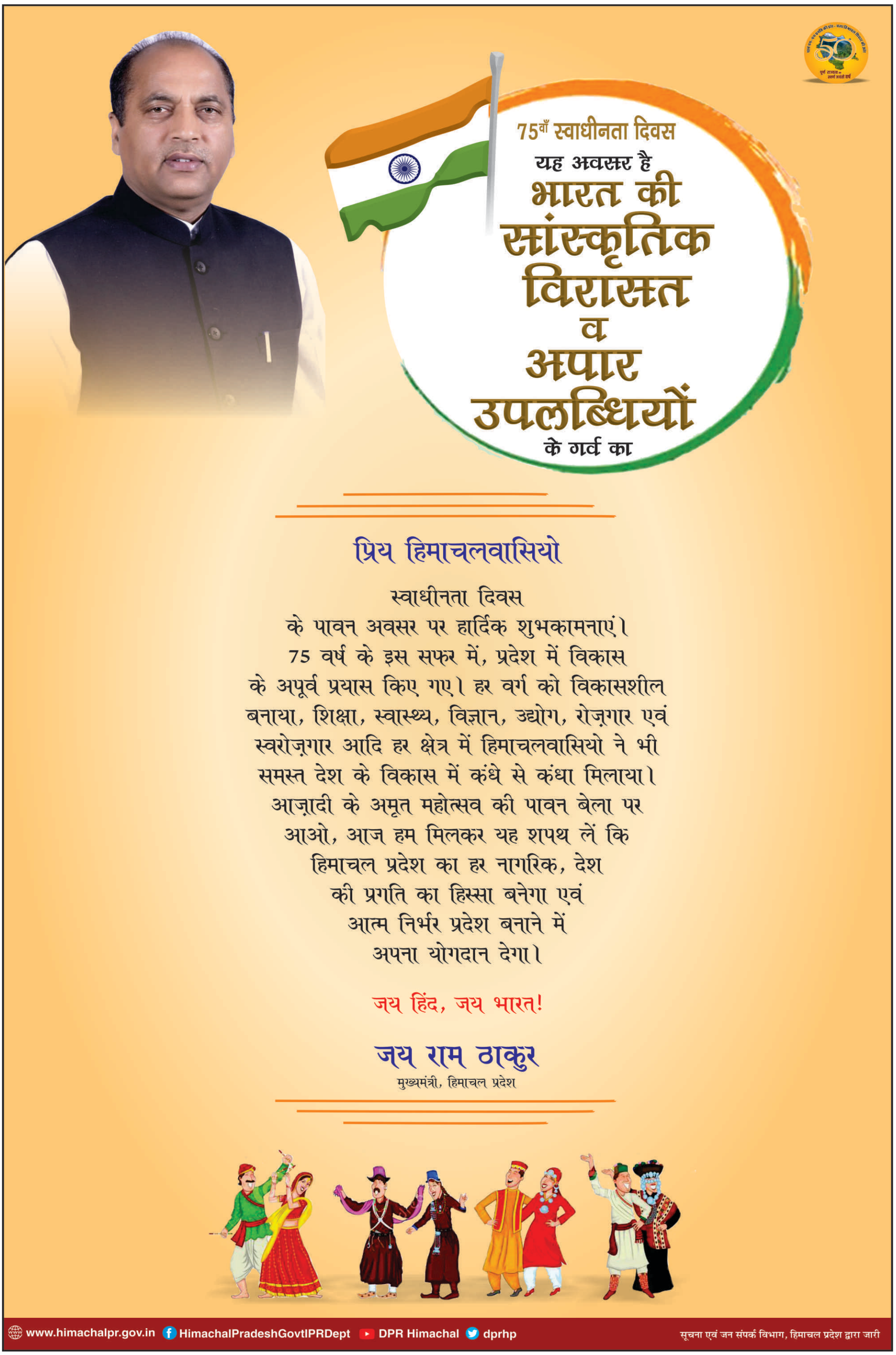
75वाँ स्वाधीनता दिवस
यह अवसर है
भारत की
सांस्कृतिक
विरासत
व
अपार
उपलब्धियों
के गर्व का
प्रिय हिमाचलवासियो
स्वाधीनता दिवस
के पावन अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएं।
75 वर्ष के इस सफर में, प्रदेश में विकास
के अपूर्व प्रयास किए गए। हर वर्ग को विकासशील
बनाया, शिक्षा, स्वास्थ्य, विज्ञान, उद्योग, रोज़गार एवं
स्वरोज़गार आदि हर क्षेत्र में हिमाचलवासियो ने भी
समस्त देश के विकास में कंधे से कंधा मिलाया।
आज़ादी के अमृत महोत्सव की पावन बेला पर
आओ, आज हम मिलकर यह शपथ लें कि
हिमाचल प्रदेश का हर नागरिक, देश
की प्रगति का हिस्सा बनेगा एवं
आत्म निर्भर प्रदेश बनाने में
अपना योगदान देगा।
जय हिंद, जय भारत!
जय राम ठाकुर
मुख्यमंत्री, हिमाचल प्रदेश
www.himachalpr.gov.in
HimachalPradeshGovtIPRDept
DPR Himachal
dprhp
सूचना एवं जन संपर्क विभाग, हिमाचल प्रदेश द्वारा जारी

हमारा सांझा विजन

2023 तक 5000 मेगावाट, 2030 तक 12000 मेगावाट तथा 2040 तक 25000 मेगावाट

एसजेवीएन
हरित–समृद्धि
को ऊर्जावान
करने में तत्पर

एसजेवीएन SJVN

प्रचालनाधीन परियोजनाएं :

- 1500 मेगावाट नाथपा झाकडी जल विद्युत स्टेशन
- 412 मेगावाट रामपुर जल विद्युत स्टेशन
- 47.6 मेगावाट खिरवीरे पवन विद्युत स्टेशन
- 5.6 मेगावाट चारंका सौर पीवी विद्युत स्टेशन
- 50 मेगावाट सादला पवन विद्युत स्टेशन

विकासाधीन परियोजनाएं :

- हिमाचल प्रदेश में 11 जल विद्युत परियोजनाएं
- उत्तराखंड में 3 जल विद्युत परियोजनाएं
- भूटान में 1 जल विद्युत परियोजना
- नेपाल में 2 जल विद्युत परियोजनाएं
- बिहार में 1 ताप विद्युत परियोजना
- गुजरात एवं यू.पी. मे सौर परियोजनाएं
- 310 किलोमीटर डबल–सर्किट पारेषण लाइन

एसजेवीएन SJVN

एसजेवीएन लिमिटेड
SJVN Limited
(भारत सरकार एवं हिमाचल प्रदेश सरकार का संयुक्त उपक्रम)
एक 'मिनी रत्न' एवं शेड्यूल 'ए' पीएसयू | एक आईएसओ 9001:2015 प्रमाणित कम्पनी

SHARAD

पंजीकृत कार्यालय : एसजेवीएन लिमिटेड, शक्ति सदन, कॉरपोरेट मुख्यालय, शनान, शिमला–171006, हिमाचल प्रदेश (भारत)
समन्वय कार्यालय : कार्यालय ब्लॉक, टॉवर–1, 6वीं मंजिल, एनबीसीसी कॉम्पलैक्स, ईस्ट किदवई नगर, नई दिल्ली–110023 (भारत)
वेबसाइट : www.sjvn.nic.in

लूहरी जलविद्युत परियोजना चरण–1 (210 मेगावाट)

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक अनिल कुमार जम्वाल द्वारा ग्राम शाहल, डाकघर भौंट, तहसील व जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश से प्रकाशित एवं सिग्मा प्रिंटर, ब्लॉक नं 6, शॉप नं 170, एसडीए कॉम्पलेक्स, कसुम्पटी, शिमला–171009 से मुद्रित। सम्पादक : अनिल कुमार जम्वाल। हिमालयन अपडेट से सम्बन्धित सभी मामलों का निपटारा न्यायिक अधिकार क्षेत्र शिमला में ही होगा। फोन नं. 7018631199, email: himalayanupdate@gmail.com